C M Y K

आज का विचार

झुककर जीना सीखना चाहिए, ताकि दूसरों के आशीर्वाद भरे हाथ सहजता से आपके सिर तक पहुंच सके बिना झुके विवाद मिल सकता है पर आशीर्वाद नहीं...

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-82 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

बैकुण्ठपुर, रविवार 25 मई, 2025

अवैध रेत परिवहन शामिल ट्रिपर वाहन जब्त

टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान की हुई घोषणा, शुभमन गिल बना रोहित शर्मा का उत्तराधिकारी?

पहला कॉलम

बॉलीवुड अभिनेता मुकुल देव का निधन, 23 मई की रात को ली अंतिम सांस; लंबे समय से थे बीमार

मुंबई ,24 मई (ए)। बॉलीवुड इंडस्ट्री से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले अभिनेता मुकुल देव का 23 मई की रात निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और ढ्रष्ट में भर्ती थे, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। मुकुल देव ने 'सन ऑफ सरदारइ, 'आर.. राजकुमारइ, 'जय होइ जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में अहम भूमिकाएं निभाई थीं। उन्होंने सलमान खान, अजय देवगन जैसे बड़े सितारों के साथ भी काम किया था। उनके निधन की खबर ने फिल्मी जगत को गहरे शोक में डाल दिया है। मुकुल देव अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए तो मशहूर थे ही, साथ ही उनके द्वारा निभाए गए गंभीर और इंटेंस किरदारों को भी दर्शकों ने खूब सराहा। पिछले कुछ समय से वे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे, लेकिन उनके निधन की खबर ने उनके प्रशंसकों और फिल्मी साथियों को स्तब्ध कर दिया है। उनकी मौत की खबर सामने आने के बाद फिल्म इंडस्ट्री के कई कलाकारों ने उन्हें सोशल मीडिया के जरिए श्रद्धांजलि दी।

कुछ अलग

झेलम-चिनाब और रावी नदी में अब यात्री क्रूज जहाज में कर सकेंगे सफर, जम्मू-कश्मीर में टूरिज्म को लगेंगे चार चांद

श्रीनगर ,24 मई (ए)। झेलम, चिनाब और रावी नदियों में अब यात्री क्रूज जहाजों में भी लुफ्त उठा सकेंगे। प्रदेश प्रशासन ने 20 यात्रियों तक की क्षमता वाले इलेक्ट्रिक-संचालित क्रूज जहाजों को खरीदने का प्लान बनाया है। प्रदेश में प्रमुख नदियों अंतदेर्शीय जल परिवहन (आइडब्ल्यूटी) शुरू करने की जारी प्रक्रिया की उच्चस्तरी बैठक में समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव अटल डुल्लु ने जानकारी दी। नागरिक सचिवालय में हुई बैठक में भारतीय अंतदेर्शीय जलमार्ग प्राधिकरण (आइडब्ल्यू एआइ) के अध्यक्ष के अलावा जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, मंडलायुक्त कश्मीर ,पर्यटन विभाग के सचिवायुक्त, परिवहन सचिव, पीडब्ल्यूडी सचिव और प्रदेश प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। जम्मू-कश्मीर में नदी प्रणालियां-विशेष रूप से झेलम, चिनाब और रावी-कई जिलों को जोड़ती हैं, जिससे लागत प्रभावी, कम भीड़भाड़ वाला और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन नेटवर्क विकसित करने का अनूठा अवसर मिलता है। मुख्य सचिव ने पर्यटन, परिवहन और पीडब्ल्यूडी विभागों के समन्वय में टर्मिनलों और इलेक्ट्रिक क्रूज संचालन सहित आवश्यक बुनियादी ढांचे के सहयोगात्मक विकास का आह्वान किया। आइडब्ल्यूए आइ के प्रतिनिधियों ने अपने प्रारंभिक सर्वेक्षणों के निष्कर्ष प्रस्तुत किए, जो जल परिवहन के लिए नदी के हिस्सों की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए आयोजित किए थे। सर्वेक्षणों ने आइडब्लयूटी संचालन के लिए झेलम, चिनाब और रावी नदियों पर व्यवहार्य खंडों की पहचान की।

खरी-खरी

केरल पहुंचा मानसून, 4 जून तक मध्य भारत में भी शुरू हो जाएगी झमाझम बारिश

◆ २८ मई तक केरल और कर्नाटक में भारी बारिश का अनुमान ◆ ४०-५० किमी प्रति घंटे की गति से चल सकती हैं तेज हवाएं ◆ २६-२७ मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना में अलर्ट

नई दिल्ली । दक्षिण पश्चिम मानसून शनिवार को केरल पहुंच गया। १६ साल में यह पहला मौका है जब मानसून ने ८ दिन पहले दस्तक दी है। आमतौर पर १ जून से केरल में मानसून की बारिश शुरू होती है।

मौसम विभाग के अनुसार, सब कुछ ठीक रहा तो ४ जून से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात सहित मध्य भारत के बड़े हिस्से में भी बारिश शुरू हो जाएगी। पिछली बार केरल में मानसून इतनी जल्दी २००९ और २००१ में आया था, जब २३ मई से बारिश शुरू हो गई थी।

केरल में मानसून के आगमन से पहले अनुकूल परिस्थितियां विकसित हो गई थीं। पिछले दो दिनों में केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है। इसका कारण निम्न दबाव का क्षेत्र और आगे बढ़ रहा मानसून सिस्टम है।

आईएमडी ने मुताबिक, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश के साथ ही दक्षिण, मध्य और उत्तर बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों और पूर्वोत्तर राज्यों में २२ से २७ मई के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। २९ मई से ४ जून के दौरान मानसून के दक्षिण प्रायद्वीपीय और पूर्वोत्तर भारत के शेष हिस्सों के साथ ही पूर्व और मध्य भारत के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ जाएगा। इस दौरान देश के अन्य हिस्सों मे प्री-मानसून बारिश जारी रहेगी।

इस तरह आगे बढ़ेगा मानसून

मौसम विभाग के अनुसार, २८ मई तक मानसूनी हवा को सही तरीके से साथ आगे बढ़ाने के सिस्टम बन रहे हैं। अरब सागर में कोंकण-गोवा तट पर एक कम दबाव का क्षेत्र बन रह है। वहीं तेलंगाना और मध्य प्रदेश में कम दबाव के बीच चलने वाली दो ट्रफ भी मानसून को आगे बढ़ने में मदद करेगी। पंजाब और असम में चक्रवाती तूफान की स्थिति भी मानसून की मदद करेगी। शनिवार तक अरब सागर में बना कम दबाव का क्षेत्र उत्तर की ओर बढ़ने लगेगा। आईएमडी के अधिकारियों ने कहा कि इससे मानसूनी हवाएं मजबूत हो सकती हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस प्रणाली के चक्रवात में बदलने की संभावना कम है।

फिर डराने लगा कोरोना! दिल्ली समेत कई राज्यों में फिर बढ़े कोविड-19 के मामले, सरकार अलर्ट मोड पर

नई दिल्ली ,24 मई (ए)। देश में एक बार फिर कोविड-19 के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित गुजरात, हरियाणा, केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों में नए संक्रमण के केस सामने आए हैं। इसे देखते हुए सरकारों ने सतर्कता बढ़ा दी है और नागरिकों को एहतियात बरतने की सलाह दी है।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने राजधानी के सभी अस्पतालों को अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार तक दिल्ली में कोविड-19 के 23 नए मामले सामने आए हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अधिकतर मामलों में लक्षण सामान्य फ्लू जैसे हैं।

सरकार की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि सभी अस्पताल कोविड-19 से निपटने के लिए बेड, ऑक्सीजन, दवाएं और वैक्सीन की पूरी उपलब्धता सुनिश्चित करें। इसके अलावा वेंटिलेटर, बीआई-पीएपी, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और पीएसए इकाइयों को चालू हालत में रखा जाए।

राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ीं, कोर्ट ने गैर-जमानती वारंट किया जारी; 26 जून को पेश होने का आदेश

नई दिल्ली ,24 मई (ए)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कानूनी मुश्किलें बढ़ गई हैं। झारखंड के चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करते हुए उन्हें 26 जून 2025 को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का सख्त आदेश दिया है। अदालत ने राहुल गांधी के वकील द्वारा दायर पेशी से छूट की अर्जी को खारिज कर दिया।

यह मामला वर्ष 2018 में राहुल गांधी द्वारा दिए गए एक राजनीतिक भाषण से जुड़ा है। 28 मार्च 2018 को कांग्रेस के एक अधिवेशन के दौरान राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ तीखे और कथित रूप से आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। इस भाषण को लेकर भाजपा नेता प्रताप कटियार ने 9 जुलाई 2018 को चाईबासा के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था।

मामला बाद में झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर 20 फरवरी 2020 को रांची स्थित एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में स्थानांतरित किया गया था। बाद में जब चाईबासा में एमपी-एमएलए कोर्ट की स्थापना हुई, तो केस को वहां स्थानांतरित कर दिया गया।

अदालत द्वारा समन जारी किए जाने के बावजूद राहुल गांधी पेश नहीं हुए। इसके चलते पहले उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी हुआ, लेकिन उपस्थिति नहीं देने पर अब गैर-जमानती वारंट जारी किया गया है। राहुल गांधी के वकील द्वारा झारखंड हाईकोर्ट में इस वारंट पर रोक की मांग की गई थी, जिसे 20 मार्च 2024 को खारिज कर दिया गया। इसके बाद चाईबासा कोर्ट में व्यक्तिगत पेशी से छूट की याचिका भी नामंजूर हो गई।

अब कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए गैर-जमानती वारंट जारी किया है और राहुल गांधी को 26 जून 2025 को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। अगर वे इस बार भी अदालत में हाजिर नहीं होते, तो उनके खिलाफ और भी सख्त कार्रवाई हो सकती है।

'पाकिस्तानी सेना हत्याएं करके शवों को फेंक रही है' बलूच नेता तारा चंद ने लगाई पीएम मोदी से मदद की गुहार

0 अधिकृत बलूचिस्तान में चीन की उपस्थिति अपने सबसे अच्छे रूप में नव-उपनिवेशवाद है
0 इसने बलूच की दुर्दशा को मजबूत किया है। दक्षिण एशियाई क्षेत्र के लिए जोखिम बढ़ाए हैं
0 उन्होंने कहा कि मैं मोदी की सराहना करता हूं कि रक्त और पानी एक साथ नहीं रह सकते

बलूच अमेरिकी कांग्रेस (बीएसी) के अध्यक्ष और बलूचिस्तान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री तारा चंद बलूच ने पाकिस्तान के इस क्षेत्र पर वर्चस्व के खिलाफ चल रहे मौजूदा बलूच राष्ट्रीय संघर्ष में भारत से नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक सहायता का आह्वान किया है। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय को लिखे दो औपचारिक पत्रों में, डॉ. चंद ने बलूचिस्तान के प्रति भारत के पूर्व के रवैये की प्रशंसा की और भारत से प्रांत में पाकिस्तान द्वारा किए गए मानवाधिकारों के उल्लंघन को प्रकाश में लाने में एक मजबूत वैश्विक भूमिका अपनाने के लिए कहा।

लाल किले पर पीएम मोदी के ऐतिहासिक स्वतंत्रता दिवस भाषण का जिक्र करते हुए, जहां उन्होंने बलूचिस्तान का दुर्लभ उल्लेख किया था, डॉ. चंद ने कहा, ₹लाल किले के अपने संबोधन में बलूचिस्तान का आपका संदर्भ दुनिया भर के बलूच लोगों द्वारा उस राष्ट्र के लिए नैतिक समर्थन के संकेत के रूप में स्वीकार किया गया था जिस पर पाकिस्तान द्वारा कब्जा, अधीनता और आतंकित किया गया है।

डॉ. चंद के अनुसार, उस प्रतीकात्मक स्वीकृति ने दुनिया भर के बलूच लोगों को नई उम्मीदें दी थीं, जो आत्मनिर्णय के अपने लंबे संघर्ष में भारत को एक संभावित नैतिक भागीदार मानते हैं। डॉ. चंद ने १९४८ में बलूचिस्तान के पाकिस्तान में जबरन विलय का जिक्र करते हुए इसे क्रूर कब्जे₹ की शुरूआत बताया। पत्र में पाकिस्तान की सेना पर हजारों बलूच नागरिकों के लापता होने, यातना, हत्या और विस्थापन सहित व्यवस्थित अत्याचार करने का आरोप लगाया गया है।

सपना व रानी नाम से रह रही दो बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार, भिलाई के बाद अब दुर्ग में भी पकड़ाए

0 एसटीएफ की टीम ने दोनों महिलाओं के कब्जे से प्राप्त दस्तावेज एवं मोबाइल डाटा की विस्तृत जांच की।
0 सपना शर्मा उर्फ सपना मंडल का वास्तविक नाम सनाया नूर है जो मूलतः बांग्लादेश की रहने वाली है।
0 लगभग 15 वर्ष पूर्व भारत बाग्लादेश सीमा को अवैध रूप से पार कर बिना वैध दस्तावेज रह रही थी।

दुर्ग। दुर्ग के जयंती नगर में पहचान छुपाकर रह रही दो बांग्लादेशी महिला को एसटीएफ की टीम ने गिरफ्तार किया है। इन घुसपैठियों द्वारा अपनी पहचान छुपाने के लिए फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज बनवाया गया है। पुलिस ने इन महिलाओं के विरुद्ध विदेशी नागरिक विषयक अधिनियम १९८६ एवं भारतीय पासपोर्ट अधि. १९६७ एवं पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधि. १९२० के तहत कार्रवाई की है। इसके पहले पुलिस ने भिलाई में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। एसटीएफ की टीम को २४ मई को सूचना मिली की जयंती नगर दुर्ग में दो संदिग्ध बांग्लादेशी महिला अपना मूल पहचान छुपाते हुए, सपना शर्मा एवं रानी पासवान के नाम से रह रहे हैं।

पूछताछ के लिए पहुंची एसटीएफ की टीम ने दोनों महिलाओं के कब्जे से प्राप्त दस्तावेज एवं मोबाइल डाटा की विस्तृत जांच की।

जांच पर पाया गया कि सपना शर्मा उर्फ सपना मंडल का वास्तविक नाम सनाया नूर है जो मूलतः जोरहाट जिला दीनाजपुर बाग्लादेश की रहने वाली है। लगभग १५ वर्ष पूर्व भारत बाग्लादेश सीमा को अवैध रूप से पार कर बिना वैध दस्तावेज के विगत आठ वर्षों से चंगोराभाठा रायपुर में रह रही है।

सनाया नूर ने अपनी मूल पहचान को छिपाते हुए स्वयं को भारतीय नागारिक सिद्ध करने के लिए वर्ष २०१९ में कूटरचना कर फर्जी दस्तावेज तैयार कर अभय शर्मा नाम के व्यक्ति को अपना पति बताकर फर्जी आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं मतदाता परिचय पत्र तैयार की है।

इसी प्रकार बाग्लादेशी महिला रानी पासवान उर्फ खुशबू से पूछताछ पर उसका नाम खुशबू बेगम पिता जेर मोहम्मद निवासी जोबरहाट जिला दिनाजपुर बाग्लादेश का मूल निवासी होना पाया गया। साथ ही उसके द्वारा लगभग १५ वर्ष पूर्व अवैध रूप से बिना वैध दस्तावेज के बाग्लादेश से भारत में प्रवेश कर रहना पाया गया। इस दौरान उसके द्वारा उत्तरीदीनाजपुर पश्चिम बंगाल एवं आसनसोल जिला वर्धमान, पश्चिम बंगाल में अलग-अलग जन्म तिथि एवं स्वयं को मूल निवासी होना बताते हुए फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेजो के आधार पर आधार कार्ड तैयार किया जाना पाया गया।

पुलिस ने बताया कि प्रकरण में दोनो बाग्लादेशी नागरिकों के द्वारा तैयार किये गये फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज बनाने में सहयोग करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरूद्ध भी कार्यवाही की जा रही है।

अब तक पांच बांग्लादेशी पकड़े जा चुके

जिले में अब तक पांच बांग्लादेशी नागरिक पकड़े जा चुके हैं। जो अपनी पहचान छुपाकर रह रहे थे। एसटीएफ की टीम ने पिछले दिनों भिलाई में एक दंपती से तीन बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया था। दुर्ग के जयंती नगर में दो महिलाओं की गिरफ्तारी के साथ जिले में अब तक पांच बांग्लादेशी नागरिक पकड़े जा चुके हैं।

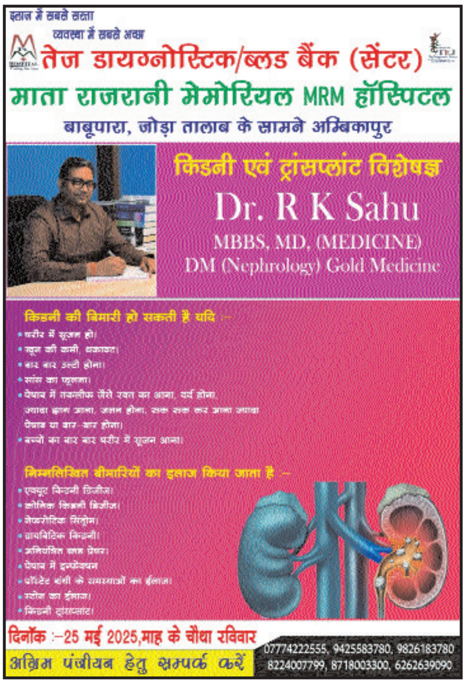

पहला कालम

सरगुजा नेटबॉल संघ के तीन खिलाड़ी इंदौर में नेशनल प्रतियोगिता में लेंगे भाग

अम्बिकापुर(अंबिकावाणी समाचार)।
राष्ट्रीय स्तर सब-जूनियर नेशनल प्रतियोगिता इंदौर मध्यप्रदेश में २५ मई से २८ मई तक आयोजित किया जा रहा है जिसमें सरगुजा नेटबॉल संघ से तीन खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ टीम में चयन हुआ।
बालक वर्ग से ओम प्रकाश यादव एवं बालिका में सिमरन भगत,अंकिता गुप्ता का चयन हुआ है।
राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया सरगुजा जिला नेटबॉल संघ से बालक वर्ग से ओम प्रकाश यादव एवं बालिका में सिमरन भगत,अंकिता गुप्ता का चयन हुआ है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए चयन हुआ। खिलाड़ी नियमित रूप से गांधी स्टेडियम के बास्केटबॉल ग्राउंड में अभ्यास करते हैं।
सरगुजा जिला से चयनित तीन खिलाड़ियों को नेटबॉल संघ के सचिव रजत सिंह, सौरभ सिन्हा, गौरव सिंह, के.पी सिंह, खुशबु गुप्ता के साथ जिला नेटबाल संघ परिवार व सरगुजा जिला बास्केटबाल संघ परिवार ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

अवैध रेत परिवहन शामिल ट्रिपर वाहन जब्त

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में अवैध रेत उत्खनन व परिवहन कार्य लंबे अरसे से चल रहा है। उच्च न्यायालय द्वारा अवैध रेत उत्खनन व परिवहन कार्य पर पूरी तरह अंकुश लगाने के निर्देश पर जिले में भी लगातार कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश पर आज राजस्व, माइनिंग व पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम पंचायत कल्याणपुर के पास अवैध रूप से रेत परिवहन करते एक ट्रिपर गाड़ी को पकड़कर उसे जब्त कर लटोरी पुलिस के सुपुर्द किया गया। कार्यवाही में लटोरी नायब तहसीलदार शैलेन्द्र दिवाकर, माइनिंग अधिकारी सक्रिय रहे।

सीएचसी में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस मनाया

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत विकासखंड सूरजपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिश्रामपुर, लटोरी समेत ७ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस मनाया गया।
जिसमें हाई रिस्क प्रेगनेंसी को केंद्र बिंदु मानकर सुरक्षित प्रसव पर जोर दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिश्रामपुर में २४ मई को पीएसएमए दिवस हेतु पूर्व से तैयारी की गई थी, जिसके तहत अलग रजिस्ट्रेशन काउंटर, काउंसलिंग केंद्र, लैब जांच

चिकित्सक की उपलब्धता, दवा वितरण एवं उपस्थित गर्भवती महिलाओं के लिए जलपान की व्यवस्था की गई थी। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिश्रामपुर में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक गर्भवती महिला को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश के तहत सभी गर्भवती महिलाओं को सभी सेवाएं प्रत्येक माह के ९ एवं २४ तारीख को निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है, साथ ही हाई रिस्क प्रेगनेंसी पर विशेष ध्यान देते हुए गर्भावस्था के दौरान उन्हें विशेष निगरानी में रखा जा रहा है, जिससे जिले मातृ मृत्यु दर को कम किया जा सके। विकासखंड के दोनों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस का संचालन डॉ. अमित भगत एवं शत्रुघ्न भगत के निगरानी में संपन्न कराया गया। इस दौरान डॉ. नूपुर नाथ, गायत्री साहू, डॉ. ज्योत्सना बड़ा, फिलिप टोप्पो, रंभा मिश्रा, सिस्टर संगीता सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

शासकीय राशन दुकान से बीस लाख का गबन,संचालक को थाने किया तलब

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
शिवनंदनपुर स्थित शासकीय राशन दुकान क्रमांक एक के संचालक द्वारा बीस लाख रु के राशन घोटाला मामले में शासन ने दुकान संचालक को नोटिस जारी कर गबन किए गई राशि को अविलंब शासकीय कोष में जमा करने के निर्देश दिए हैं अन्यथा एफआईआर की चेतावनी दी गई है।बताया जाता है कि शिवनंदनपुर के दुकान क्रमांक एक के राशन दुकान का संचालन चंदा स्व सहायता समूह द्वारा किया जा रहा था ।गत वर्ष दुकान की जांच में गड़बड़ी पाए जाने पर दुकान को प्रशासन ने निलंबित कर दूसरे समूह को दुकान संचालन की जिम्मेदारी सौंपी थी।चंदा स्व सहायता समूह द्वारा संचालित दुकान का खाद्य विभाग द्वारा सत्यापन करने पर करीब बीस लाख रु की गड़बड़ी पकड़ी गई।समूह द्वारा संचालित दुकान को निलंबित कर गबन की राशि जमा करने के निर्देश दिए गए बाबजूद नोटिस की अनदेखी के बाद प्रशासन ने सख्ती बरती है।बताया जाता है कि दुकान संचालक को थाना तलब कर अविलंब राशि जमा करने के निर्देश दिए हैं अन्यथा एफआईआर की चेतावनी दी गई है।बता दें कि जिले में ऐसे कई राशन दुकान संचालकों के द्वारा आर्थिक गड़बड़ी की गई है जिस पर कार्यवाही लंबित है।

20 क्विंटल अवैध कबाड़ के साथ तीन गिरफ्तार

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
शनिवार को जयनगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से कबाड़ ले जा रहे पिकअप वाहन समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जप्त पिकअप में २० क्विंटल अवैध कबाड़ से लदा था। जयनगर पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि सूरजपुर से एक पिकअप वाहन सीजी १५ एसी २८०९ में अवैध कबाड़ लोडकर तीन व्यक्ति अंबिकापुर की ओर जा रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी टीआई नरेंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर सहायक उपनिरीक्षक विशाल मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस दल ने गवाहों के साथ संयुक्त रूप से वाहनों की चेकिंग शुरू की और मुखबिर द्वारा बताए गए संदिग्ध वाहन को रोका।
पुलिस ने वाहन चालक की पहचान प्रेमलाल पिता धरमपाल राजवाड़े निवासी ग्राम पस्ता थाना रामानुजनगर के रूप में हुई। साथ में सवार अन्य दो व्यक्तियों की पहचान अर्जुन प्रसाद गुप्ता ५६ वर्ष और सौरभ गुप्ता २३ वर्ष निवासी भैयाथान रोड सूरजपुर के रूप में की गई।पूछताछ में पता चला कि उक्त वाहन विशाल गुप्ता की है, जिसे अर्जुन प्रसाद ने किराए पर लिया था। अर्जुन प्रसाद ने सूरजपुर स्थित अपने घर से पिकअप वाहन में कबाड़ लोडकर अंबिकापुर ले जाने की बात स्वीकार की है। वाहन में दस्तावेज नहीं मिलने पर नोटिस दिया गया, लेकिन वे वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने वाहन में लोड २० क्विंटल कबाड़ को जब्त कर तीनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले में आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा ३५ (१-घ), ३०३ (२), ३ (५) के तहत कार्यवाही करते हुए न्यायालय पेश कर दिया गया है। कार्यवाही में जयनगर टीआई नरेंद्र कुमार सिंह के अलावा सहायक उपनिरीक्षक विशाल मिश्रा, प्रधान आरक्षक राजेंद्र एक्का, दीपक दुबे, आरक्षक विकास मिश्रा, नीरज सिंह, नगर सैनिक जहांगीर, मुजाहिद व अन्य सक्रिय रहे।

प्रधानमंत्री ने भानुप्रतापपुर रेलवे स्टेशन का किया वर्चुअल उद्घाटन, उपमुख्यमंत्री हुए शामिल

कांकेर। जिले के भानुप्रतापपुर रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के भानुप्रतापपुर रेलवे स्टेशन का 8.28 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया गया है। इस योजना के तहत स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, जिसमें यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरूवार को इसका वर्चुअल उद्घाटन किया । इस दौरन मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री अरुण साव भानुप्रतापपुर रेलवे स्टेशन के कार्यक्रम में शामिल हुए । इस दौरान कांकेर सांसद भेजराज नाग, अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेंडी सहित अन्य जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।
उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि भानुप्रतापपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास बस्तर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रावघाट रेल परियोजना का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है, और यह स्टेशन बस्तर के लोगों के जीवन में बदलाव लाएगा। रेल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि विकास की रीढ़ है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मार्गदर्शन में भारतीय रेल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रही है। उन्होने कहा कि 2014 के बाद रेलवे स्टेशनों की तरक्की हुई है। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले स्टेशनों में गंदगी होती थी, लोग ट्रेन के लेटलतीफी से परेशान रहते थे । लेकिन 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनी और उनके नेतृत्व में अब स्टेशनों का स्वरुप बदला है ।
प्राप्त जानकारी के अनुसार रावघाट रेल परियोजना के तहत दल्ली राजहरा से रावघाट प्रोजेक्ट में एसएसबी, बीएसएफ और पुलिस की संयुक्त भागीदारी से रेल लाइन के निर्माण में तेजी आई। 14 अप्रैल 2018 को भानुप्रतापपुर में पहली यात्री ट्रेन पहुंची थी।

आम लोगों की समस्याओं के निराकरण एवं उनकी मांगों को पूरा करने का सशक्त माध्यम बन रहा है सुशासन तिहार - उद्योग मंत्री

कोरबा। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रदेश में विगत डेढ़ माह से संचालित सुशासन तिहार आम जनमानस की समस्याओं के निराकरण एवं उनकी मांगों को पूरा करने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है। उन्हेने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा है कि देश का हर नागरिक खुशहाल हो, उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण हो, उनकी विकासपरक मांगे व आवश्यकताएं पूरी हों, इसी लक्ष्य को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में राज्य के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ सुशासन तिहार-2025 का वृहद आयोजन किया जा रहा है। इस आशय के व्यक्त करते हुए उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अपने बालको जोन कार्यालय में सुशासन तिहार- 2025 के तहत आयोजित समाधान शिविर में कही। यहॉं उल्लेखनीय है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निदेर्शों के अनुरूप सम्पूर्ण छत्तीसढ़ राज्य व कोरबा जिले के साथ-साथ नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में भी सुशासन तिहार-2025 का आयोजन किया जा रहा है, आयोजन के तीसरे चरण में समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर पालिक निगम कोरबा के बालको जोन कार्यालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, शिविर में नगर पालिक निगम कोरबा के विभिन्न विभागों निर्माण, जल प्रदाय, विद्युत, प्रधानमंत्री आवास योजना, सम्पत्तिकर, संपदा, अतिक्रमण, स्थापना, स्वच्छता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, सहित जिले के विभिन्न विभागों यथा राजस्व विभाग, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, वन विभाग, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, खाद्य विभाग, कृषि विभाग, मत्स्य विभाग, शिक्षा विभाग, आदिवासी विकास विभाग, कौशल विकास योजना सहित अन्य विभागों के स्टाल लगाए गए थे, जिनके माध्यम से आमनागरिकों द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न शिकायतों, समस्याओं व मांगों से संबंधित आवेदनों के निराकरण की जानकारी प्रदान की गई। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने शिविर में पहुंचकर वहॉं पर स्थापित विभिन्न विभागों के स्टालों का निरीक्षण किया तथा आमजन द्वारा प्रस्तुत मांग, शिकायत व समस्या संबंधी आवेदनों के विभागवार निराकरण की स्थिति की जानकारी ली तथा अधिकारियां का मार्गदर्शन किया। इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने शिविर में काफी संख्या में उपस्थित आमनागरिकों से भेंट मुलाकात की, उनका कुशल-क्षेम पूछा तथा उनके द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर किए गए निराकरण की कार्यवाही व प्राप्त परिणामों पर चर्चा की।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बीच चर्चा में आई 'मैसूर पाक' मिठाई की क्या है कहानी, क्यों हो रही इसका नाम बदलने पर बहस?

नई दिल्ली।
भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव और संघर्ष का असर दोनों देशों के नागरिकों पर साफ दिखा. सोशल मीडिया पर इसको लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं भी देखने को मिलीं.इस संघर्ष की वजह से पहले पाकिस्तान का साथ देने वाले तुर्की के सामानों का भारत में विरोध हुआ और अब यह मामला खाने की चीजों तक पहुंच गया है.यह चर्चा तब शुरू हुई जब कई मीडिया रिपोट्र्स में दावा किया गया कि जयपुर की एक मिठाई की दुकान ने दक्षिण भारत की मशहूर मिठाई 'मैसूर पाक' का नाम बदल कर 'मैसूर श्री' रख दिया है.सोशल मीडिया पर यह खबर तेजी से फैली और इस पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं भी आईं. कुछ लोगों ने तो ये तक कहा कि 'मैसूर पाक' का नाम 'मैसूर भारत' कर देना चाहिए.इसके अलावा एक अन्य मिठाई 'मोती पाक' को लेकर भी बहस छिड़ी और दावा किया गया कि इस मिठाई का नाम भी बदल कर 'मोती श्री' किया गया है.इन सभी लोगों के विरोध की वजह 'पाक' शब्द से है, जो कि कई बार संक्षिप्त रूप से पाकिस्तान के लिए इस्तेमाल किया जाता है.हालांकि, यह मिठाई मूलरूप से भारत की ही है, लेकिन इसके नाम को लेकर विरोध है. यह पहली बार नहीं है जब किसी देश से तनाव बढ़ने पर सामानों का विरोध किया गया हो.इससे पहले साल २०२० में गलवान में चीन के सैनिकों के साथ भारतीय सैनिकों की झड़प की वजह से तनाव काफी बढ़ गया था. इसका असर ये हुआ कि भारत में चीनी सामानों का जोरदार विरोध हुआ और उसका बहिष्कार किया गया.इसके अलावा और भी कई उदाहरण हैं जब किसी देश से तनाव बढ़ने की स्थिति में उसके विशेष सामानों का बहिष्कार किया गया है.'मैसूर पाक' मिठाई के नाम से ही पता चलता है कि इसका इतिहास मैसूर से जुड़ा हुआ है.
वर्ष १९०२ से १९४० के बीच मैसूर पर शासन करने वाले महाराजा नलवाड़ी कृष्णराज वोडेयार खाने के जानकार थे. वो अक्सर अपने रसोइयों से तरह-तरह के व्यंजन बनाने के लिए अलग-अलग चीजों के साथ प्रयोग करने को कहते थे.एक दोपहर उनके रसोइया काकासुर मदप्पा मिठाई बनाना भूल गए. उन्हें तुरंत कुछ बनाना था. इसलिए उन्होंने जल्दबाजी में एक मिठाई बनाई और इसे 'मैसूर पाक' नाम दिया.बीबीसी के सहयोगी पत्रकार इमरान कुरैशी से बात करते हुए काकासुर मदप्पा के परपोते एस नटराज पहली बार 'मैसूर पाक' के बनने की कहानी बताते हैं.वो कहते हैं, ₹मदप्पा ने मिठाई बनाने के लिए बेसन और घी में चाशनी मिलाई. जब महाराजा ने उनसे पूछा कि इसका नाम क्या है, तो मदप्पा ने कहा कि इसका नाम पाका है. उन्होंने कहा कि हम इसे पाका कह सकते हैं और चूंकि यह मैसूर में बना था, इसलिए उन्होंने तुरंत महाराजा से कहा, यह 'मैसूर पाक' है.नटराज ने कहा, ₹कन्नड़ भाषा में बेसन के साथ चीनी की चाशनी मिले मिश्रण को पाका कहते हैं. लेकिन जब इसे अंग्रेजी में बोला या लिखा जाता है तो पाका में 'आ' का उच्चारण नहीं किया जाता और ये केवल पाक कहलाता है.कर्नाटक के रामनगरा जिले की आधिकारिक वेबसाइट में भी पहली बार 'मैसूर पाक' मिठाई बनने की यह कहानी दर्ज है.काकासुर मदप्पा के वंशज अब भी 'मैसूर पाक' बनाने का काम कर रहे हैं.उनके परपोते कहते हैं, ₹हमारी चौथी पीढ़ी अब मैसूर पाक बना रही है, क्योंकि महाराजा ने मेरे परदादा को इसे लोगों तक ले जाने के लिए प्रोत्साहित किया था. इस तरह मैसूर में अशोक रोड पर पहली दुकान खुली.रामनगरा जिले की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, दक्षिण भारत में पारंपरिक रूप से इस मिठाई को शादियों और अन्य त्योहारों में परोसा जाता है. इसके अलावा यह गोदभराई जैसी रस्मों में भी लोकप्रिय है.'मैसूर पाक' बनाने के लिए चाशनी को गर्म किया जाता है. भारत के अन्य मीठे व्यंजनों जैसे जलेबी और बादाम पूरी में भी चाशनी का इस्तेमाल होता है.'

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बीच चीन ने कैसे अपने हित साधे?

नई दिल्ली।
चीन अपने पड़ोसी देशों भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है, जबकि हाल ही में हुए सैन्य संघर्ष के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है.चीन की पाकिस्तान के साथ रणनीतिक और सहयोगात्मक साझेदारी सदाबहार है. लेकिन अमेरिका के साथ चल रही ट्रेड वॉर के बीच चीन ने भारत के साथ भी संबंधों को सुधारने की कोशिश की है.चीन भारत के साथ महत्वपूर्ण आर्थिक संबंध भी साझा करता है. इस साल भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार १२७ अरब डॉलर तक पहुंच गया है.हालांकि भारत का चीन के साथ ९९ अरब डॉलर से अधिक का व्यापार घाटा है और वो डोमेस्टिक मैन्युफैक्चरिंग के लिए चीन से आने वाले सामान पर निर्भर है.चीन ने दोनों पड़ोसियों के बीच हालिया संघर्ष पर एहतियात बरती और दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की.लेकिन पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम के लिए चीन के समर्थन से कुछ चिंताएं भी पैदा हुई हैं. इसकी वजह से भारत के साथ संबंधों में आई हालिया कूटनीतिक मधुरता के कमजोर होने का जोखिम पैदा हुआ है.चीन ने इस सवाल को टाल दिया है कि क्या उसने संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को इस तरह का समर्थन दिया. चीन ने कहा, ₹संघर्ष के बाद से हमेशा निष्पक्ष रुख को बनाए रखा गया है.भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम बाद दक्षिण एशिया में चीन के रक्षा निर्यात में बढ़ोतरी होने की संभावना है.एक स्थानीय भारतीय समाचार वेबसाइट की १३ मई की रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश की सेना चीन की एक कंपनी से जमीन से हवा में मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें खरीदने की तैयारी कर रही है.पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने इसी महीने दावा किया कि पाकिस्तान ने फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों सहित कई भारतीय विमानों को मार गिराने के लिए, पीएल-१५ई मिसाइलों से लैस चीन के जे-१०सी विमानों का इस्तेमाल किया था.
इस खबर से चीन की चेंगदू एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन (सीएसी) के शेयरों में भी उछाल आया. सीएसी जे-१०सी बनाती है. सीएसी पाकिस्तान के इस्तेमाल किए जाने वाले जेएफ-१७ थंडर लड़ाकू विमानों को संयुक्त रूप से डेवलप करती है.चीन के सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स ने २० मई को कहा कि चीन मलेशिया में आयोजित लैंगकावी अंतरराष्ट्रीय समुद्री और एयरोस्पेस (एलआईएमए) प्रदर्शनी में अपने टॉप एयर प्रोडक्ट का प्रदर्शन कर रहा है. इसमें जे-१०सीई और एफसी-३१ लड़ाकू जेट भी शामिल हैं.
इसमें कहा गया कि जे-१०सीई ने हाल ही में हाल ही में युद्ध में सफलता हासिल की है. हालांकि इसमें भारत और पाकिस्तान का जिक्र नहीं किया गया.रिपोर्ट में चीन के सैन्य मामलों के एक्सपर्ट फू चियानशाओ के हवाले से कहा गया, ₹इस कार्यक्रम में जे-१०सीई का मॉडल का प्रदर्शन करना विमान के निर्यात को बढ़ावा देने की चीन की इच्छा को दिखाता है. कई देश अपने विमान बेड़े के आधुनिकीकरण के लिए इसे खरीदने पर विचार कर सकते हैं.इसके साथ ही चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर चाइना सेंट्रल टेलीविजन ने भी स्पष्ट रूप से पुष्टि की है कि हालिया संघर्ष में पाकिस्तान ने जे-१०सीई का इस्तेमाल किया था.हालांकि भारत ने पाकिस्तान के इस दावे की पुष्टि या खंडन करने से परहेज किया है कि उसके लड़ाकू विमानों को मार गिराया गया है.लेकिन चीनी लड़ाकू विमानों के कारण पूरे एशिया में दिलचस्पी और चिंता पैदा होने की संभावना है, खासकर ताइवान में.क्षेत्र में जब चीन के निवेश की बात आती है खासकर चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) और ग्वादर पोर्ट की, तो चीन पाकिस्तान के बुनियादी ढांचे में अपने अरबों डॉलर के निवेश के लिए स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने को प्राथमिकता देगा.सीपीईसी चीन की बेल्ट एंड रोड पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. लेकिन बलूच चरमपंथियों के चीन के इंजीनियरों पर हमले और पाकिस्तान में व्यापक राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता सहित कई मुद्दों के कारण प्रमुख परियोजनाएं अभी तक पूरी नहीं हुई हैं.हालांकि, चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने सीपीईसी का काबुल तक विस्तार करने पर सहमति जताई है. इसके बाद कुछ भारतीय समाचार आउटलेट्स ने एशिया में शक्ति का केंद्र बदलने पर चिंता जताई.चीन पाकिस्तान में अन्य प्रमुख द्विपक्षीय वेंचर्स खासकर जल सुरक्षा से संबंधित को भी तेजी से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है.२२ अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए चरमपंथी हमले के बाद भारत की ओर से सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया गया. इसके बाद चीन ने पाकिस्तान की मोहमंद बांध परियोजना पर काम तेज कर दिया है.यह कदम दक्षिण एशियाई क्षेत्र में बढ़ती हलचलों को उजागर करता है, जिसमें जल सुरक्षा रणनीतिक प्रभाव की एक नई धुरी के रूप में उभर रही है. पाकिस्तान के द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने १९ मई की रिपोर्ट में इसका जिक्र किया है.चीन ने पाकिस्तान में एक अन्य जलविद्युत परियोजना डायमर-बाशा बांध के लिए भी फंड किया है. भारत की लंबे समय से चली आ रही आपत्तियों के बावजूद पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर में इसे बनाया जाना प्रस्तावित है.हाल ही में हुए संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को एयर डिफेंस मुहैया करवाने और सैन्य सहयोग की वजह से चीन के इरादों को लेकर भारत संदेह की स्थिति में रहेगा.चीन पहले से ही पाकिस्तान का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता है.चीन के विदेश मंत्री वांग यी और पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार के बीच हाल ही में एक बैठक हुई. इस बैठक के बाद चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा, ₹चीन-पाकिस्तान के बीच सहयोग किसी तीसरे पक्ष पर केंद्रित नहीं है.हालांकि, वांग यी ने बातचीत के माध्यम से भारत और पाकिस्तान से मतभेद सुलझाने पर जोर दिया.इसके बाद भारतीय मीडिया में चर्चा हुई कि चीन, भारत के साथ व्यापार और कूटनीतिक संबंधों को फिर से बनाने की कोशिश कर रहा है.
भारतीय मीडिया से जुड़े एक्सपट्र्स का कहना है कि भारत को सुरक्षा के लिहाज से दो सैन्य योजनाओं पर काम करना चाहिए. इसकी वजह संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को चीन से मिलने वाली सहायता को बताया गया.
भारत के वरिष्ठ पत्रकार शेखर गुप्ता ने १७ मई को अपने शो 'नेशनल इंटरेस्ट' में चेतावनी देते हुए कहा कि वो, ₹चीन का भारत के साथ स्थाई शांति बनाने का कोई कारण नहीं देखते हैं, क्योंकि पाकिस्तान हमें असंतुलित रखने के लिए उनका सस्ता साधन है.गुप्ता ने तर्क दिया कि भारत को रक्षा पर अधिक खर्च करना चाहिए. उन्होंने कहा, भारत को चीन और पाकिस्तान के बीच त्रिकोणीय स्थिति से बाहर निकलने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए.
चीन के सरकारी मीडिया ने हालांकि इस तरह के तर्कों को खारिज कर दिया. ग्लोबल टाइम्स ने २० मई को अपने संपादकीय में भारतीय मीडिया पर ₹चीन की कथित संलिप्तता के दावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया.ग्लोबल टाइम्स के संपादकीय में लिखा गया, ₹भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के बाद कश्मीर मुद्दा दोनों देशों के संबंधों के बीच परेशानी का सबब रहा है. चीन को इन सबके बीच नहीं घसीटा जाना चाहिए.बड़े पैमाने पर देखें तो चीन के प्रभाव को साधने के लिए भारत यूरोप के देशों के साथ पार्टनरशिप मजबूत करने पर भी विचार कर सकता है.भारत ने २० मई को अमेरिकी अधिकारियों के साथ हुई एक वार्ता में विमान तकनीक को लेकर भविष्य में सहयोग की योजनाओं पर चर्चा की.जहां तक सवाल भारत और चीन का है दोनों देश प्रतिस्पर्धा और चुनौतियों के बीच धीरे-धीरे विश्वास कायम करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित करना जारी रख सकते हैं.

उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान हेतु मनाया गया प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस

कोरबा जिले के 7 चिन्हांकित स्वास्थ्य केन्द्रों में गर्भवती महिलाओं की हुई स्वास्थ्य जाँच

कोरबा अम्बिकावाणी - शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी के नेतृत्व में प्रत्येक माह की ९ और २४ तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) दिवस का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में शनिवार, २४ मई २०२५ को जिले के सात चिन्हांकित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में यह अभियान आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क, गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल उपलब्ध कराते हुए उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान करना एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाना है। इस अवसर पर चिन्हांकित स्वास्थ्य केन्द्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, परामर्श एवं निःशुल्क उपचार किया गया। रानी धनराज कुवर देवी यूसीएचसी कोरबा में डॉ. अन्नपूर्णा बोडे, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करतला में डॉ. यामिनी बोडे, कटघोरा में डॉ. नोमिता सिंह, पोंड़ी उपरोड़ा में डॉ. राकेश सिंह, दीपका में निजी गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. शीलेश्वरी कंवर तथा यूपीएचसी ढोढीपारा कोरबा में जीएमसी के विशेषज्ञों ने सेवाएं प्रदान कीं। राज्य स्तर से कार्यक्रम का निरीक्षण राज्य नोडल अधिकारी डॉ. निधि अत्रिवाल एवं राज्य सलाहकार डॉ. अस्मिता बहेरा (एनएचएम) द्वारा किया गया। उन्होंने अभियान की व्यवस्थाओं एवं सफलता की सराहना की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. केशरी ने बताया कि मातृ मृत्यु के प्रमुख कारणों में उच्च जोखिम गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताएं प्रमुख हैं। ऐसे मामलों की शीघ्र पहचान, त्वरित प्रबंधन तथा नियमित निगरानी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से पीएमएसएमए दिवस आयोजित किया गया। जिले एवं विकासखण्ड स्तर पर दूसरी एवं तीसरी तिमाही की ४७८ गर्भवती महिलाओं की मितानिनों के सहयोग से स्वास्थ्य जांच कराई गई।

अभियान के दौरान सभी गर्भवती महिलाओं का वजन, ब्लड प्रेशर, शुगर, सोनोग्राफी, टीकाकरण किया गया तथा पोषण, आहार और व्यायाम संबंधी जानकारी भी दी गई।

जल जीवन मिशन के कार्य गंभीरता से पूर्ण कराएंः कलेक्टर

कलेक्टर ने ली पीएचई अंतर्गत कार्यों की समीक्षा बैठक

कोरबा अम्बिकावाणी - कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में स्वीकृत कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए पीएचई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष नलकूपों का निर्माण शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएं। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत पीएचई द्वारा किए जा रहे कार्यों की धीमी गति पर तथा पूर्व बैठक में दिए गए निदेर्शों के तहत उपलब्धि हासिल नहीं किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की। जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने प्रगतिरत सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने एकल ग्राम और समूह नलजल प्रदाय योजना की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि ऐसी एकल ग्राम योजनाएं जहां पर ८० प्रतिशत कार्य हो चुका है, उन्हें शीघ्र पूर्ण कराएं। उन्होंने पंप आधारित मिनी जल प्रदाय योजनाओं की जानकारी ली और बसाहटो में सोलर आधारित नल जल प्रदाय करने के निर्देश देते हुए लोगों को पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पानी टंकी निर्माण की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधूरे कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले की सभी आरसीसी पानी टंकी निर्माण शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सोलर पंप स्थापना हेतु स्त्रोत निर्माण का कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वीकृत कार्यों में जिम्मेदारी के साथ लोगों के घरों तक गुणवत्तापूर्ण कार्य करते हुए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, लोक सेवा यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियन्ता रमन कुमार सहित सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जिला प्रशासन महिलाओं की सुरक्षा एवं सरंक्षण के लिए सजग कलेक्टर ने कार्यालयों, संस्थानों, संगठन, संस्था, प्रतिष्ठानों में आंतरिक शिकायत समिति गठन करने के दिए निर्देश

कोरबा अम्बिकावाणी- जिला प्रशासन कोरबा कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मानजनक कार्य वातावरण सुनिश्चित करने हेतु सतर्क एवं सजग है। च्महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम २०१३च्च के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित कार्यालयों व संस्थानों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय, निजी संस्था, संगठन, कार्यालय, उपक्रम, उद्यम, सोसायटी, ट्रस्ट, गैर-शासकीय संगठन आदि में जहाँ १० या उससे अधिक अधिकारी/कर्मचारी कार्यरत हैं, वहाँ आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है। समिति गठन न करने पर संबंधित संस्था पर ५० हजार रूपए तक का जुमार्ना अधिरोपित किया जा सकता है। समिति में एक वरिष्ठ महिला अधिकारी को पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा। इसके अतिरिक्त दो महिला सदस्य जो सामाजिक कार्यों में अनुभव या महिला अधिकारों के प्रति प्रतिबद्ध हों, तथा एक सदस्य किसी गैर शासकीय संगठन से शामिल होंगी। समिति में आधे से अधिक सदस्य महिलाएं होंगी और इसका कार्यकाल तीन वर्षों का होगा। गठन उपरांत समिति के नाम संस्था के सूचना पट्ट/बोर्ड/फ्लेक्स में प्रदर्शित करना अनिवार्य है। गौरतलब है कि उक्त अधिनियम के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। जिला कलेक्टर द्वारा जिले के सभी शासकीय, अर्धशासकीय, अशासकीय कार्यालयों/ संस्थाओं, संगठनों को जहां १० या उससे अधिक कार्मिक कार्यरत हैं, आंतरिक शिकायत समिति का गठन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियानः अब हर माह दो दिन मिलेगा गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क प्रसवपूर्व परामर्श एवं जांच

37 स्वास्थ्य केंद्रों पर 1122 गर्भवती महिलाओं को मिला लाभ, 213 उच्च जोखिम गर्भवती महिलाएं चिन्हांकित

अम्बिकापुर - भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में से एक प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान अंतर्गत जिले में माह के ९ और २४ तारीख को विशेष प्रसवपूर्व स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। पहले यह अभियान केवल ९ तारीख को आयोजित होता था, लेकिन अब इसे हर माह दो बार किया जा रहा है, जिससे अधिकाधिक गर्भवती महिलाओं को लाभ मिल सके।

इस अवसर पर जिले के ३७ स्वास्थ्य केंद्रों में कुल ११२२ गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया गया। इनमें से २१३ महिलाओं को उच्च जोखिम गर्भवती के रूप में चिन्हांकित किए गए हैं, जबकि शेष ७२२ महिलाओं को जांच, उपचार एवं परामर्श सेवाएं प्रदान की जा रहीं हैं। अभियान के सुचारू क्रियान्वयन हेतु समस्त सामुदायिक, प्राथमिक एवं चिन्हांकित उप स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सा दल की तैनाती की गई थी।इस अवसर पर नवापारा शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जिला कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना की।

सुरक्षित मातृत्व और शिशु स्वास्थ्य में सुधार

इस योजना के माध्यम से गर्भावस्था के दूसरे और तीसरे तिमाही की महिलाओं को एनीमिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी जटिलताओं की पहचान कर समय पर इलाज और परामर्श दिया जा रहा है। इसके साथ ही उन महिलाओं तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है जो एएनसी सेवाओं से छूट गई हैं या अधूरी सेवाएं प्राप्त की हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी गर्भवती महिलाओं से अपील की है कि वे माह की ९ और २४ तारीख को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर इस सुविधा का लाभ उठाएं।

शत-प्रतिशत प्लेसमेंट की सफलता की नई मिसाल गढ़ता राज्य होटल प्रबंधन संस्थान रायपुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को मजबूती प्रदान करने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा की गई पहल, अब धरातल पर सफलता की नई इबारत लिख रही हैं। इन्हीं प्रयासों का एक बेमिसाल उदाहरण बनकर उभरा है राज्य होटल प्रबंधन संस्थान नया रायपुर, जो आज न केवल प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक शिक्षा प्रदान कर रहा है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा करने के योग्य भी बना रहा है। संस्थान की सबसे बड़ी सफलता इसका शत-प्रतिशत प्लेसमेंट रिकॉर्ड है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कुशल मार्गदर्शन, संस्कृति व पर्यटन विभाग के सचिव श्री अन्बलगन पी. के निर्देशन में यह संस्थान निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस संस्थान की स्थापना राज्य सरकार द्वारा युवाओं को आत्मनिर्भर और रोजगारपरक शिक्षा से जोड? के उद्देश्य से की गई थी और आज यह उद्देश्य सफलता की नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। राज्य होटल प्रबंधन संस्थान रायपुर में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, अनुभवी फैकल्टी एवं इंडस्ट्री-कनेक्ट की बदौलत छात्रों को एक संपूर्ण पेशेवर के रूप में तैयार किया जाता है।

पोड़ी उपरोड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा बैठक आयोजित

30 जून तक डोर लेवल व छत स्तर के सभी आवास पूर्ण करने के निर्देश

कोरबा अम्बिकावाणी - दिनांक २४ मई को जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा के सद्भावना भवन में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत कोरबा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) ने की। बैठक में योजना से जुड़े नोडल अधिकारियों, ग्राम पंचायत सचिवों, रोजगार सहायकों एवं आवास मित्रों की उपस्थिति रही। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने लक्ष्य के अनुरूप प्रतिदिन प्रगति दर्ज करने पर जोर देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि ३० जून २०२५ तक सभी अपूर्ण आवासों को कम-से-कम डोर लेवल और छत स्तर तक पूर्ण कराया जाए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बैठक में साफ शब्दों में कहा कि कार्य में लापरवाही एवं धीमी प्रगति किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन पंचायतों में कार्य की गति धीमी है, वहां के संबंधित सचिवों, रोजगार सहायकों एवं आवास मित्रों के विरुद्ध आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। बैठक के दौरान अधिकारियों ने फील्ड स्तर की समस्याएं भी साझा कीं, जिनके समाधान हेतु तत्कालीन निर्देश जारी किए गए। बैठक का उद्देश्य योजना को समयसीमा के भीतर सफलतापूर्वक क्रियान्वित करना एवं पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध कराना रहा।

न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

राजस्व पुनरीक्षण प्रकरण क्रमांक 202112021000010/26/अ-27/2021-2022

// ईश्तहार/सूचना पत्र//

पुनरीक्षणकर्ता विजय यादव आ० स्व० रामनारायण एवं अन्य निवासी ससौली, तहसील लुण्ड्रा, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा न्यायालय नायब तहसीलदार लुण्ड्रा के रा.प्र.क्र. 7/अ-27/2019-20 (पक्षकार शिवनारायण प्रति लखपतिया) में पारित आदेश दिनांक 27.10.2021 से क्षुब्ध होकर छ.ग.भू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के तहत इस न्यायालय मे पुनरीक्षण प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान में उक्त प्रकरण उत्तरवादीगण (1) शिवनारायण आ० बच्चा राम उम्र- 89 वर्ष (2) मोतीलाल आ० बच्चाराम उम्र 65- वर्ष (3) संजय कुमार आ० बच्चाराम उम्र- 55 वर्ष सभी निवासी ग्राम ससौली, तहसील लुण्ड्रा, जिला सरगुजा, छ०ग० (4) भोंदली आ० बच्चाराम उम्र- 68 वर्ष निवासी ग्राम दोरना, तहसील लुण्ड्रा, जिला सरगुजा, छ०ग० (5) गोपी प्रसाद आ० केशव प्रसाद उम्र- 65 वर्ष ग्राम ससौली, तहसील लुण्ड्रा, जिला सरगुजा, छ०ग० (6) संतोष आ० गोपी प्रसाद उम्र- 35 वर्ष (7) अशोक आ० गोपी प्रसाद जाति अहीर निवासी ग्राम अलकडीहा, तहसील राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंजा, छ०ग० के इस न्यायालय में उपस्थिति के लिये प्रकरण दिनांक 26.05.2025 को नियत है।

अतः सभी उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 26.05.2025 को इस न्यायालय में दिन के 11.00 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने पर उत्तरवादीगण के विरूद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 14/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अपर कलेक्टर
जिला सरगुजा

न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

राजस्व अपील प्रकरण क्रमांक 201803021000004/09/अ-6/2017-2018

// ईश्तहार/सूचना पत्र//

अपीलार्थी मुखदीप कौर आ० स्व० औतार सिंह जाति सिक्ख निवासी मुहल्ला बाबूपारा अम्बिकापुर, हाल मुकाम सरकारी स्कूल के पास टांटी बांध रायपुर, छ०ग० द्वारा न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर के रा.प्र.क्र. 118/अ-6/2005-06 (पक्षकार मंजीत कौर प्रति शासन) में पारित आदेश दिनांक 15.05.2006 से क्षुब्ध होकर छ.ग.भू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 के तहत इस न्यायालय में अपील प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान मे उक्त प्रकरण उत्तरवादीगण (1) हरप्रीत कौर आ० स्व० प्रभुजोत सिंह उम्र- 50 वर्ष (2) रश्मि कौर आ० स्व० प्रभुजोत सिंह उम्र- 24 वर्ष सभी निवासी बाबूपारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के इस न्यायालय में उपस्थिति के लिये प्रकरण दिनांक 26.05.2025 को नियत है।

अतः सभी उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 26.05.2025 को इस न्यायालय में दिन के 11.00 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने पर उत्तरवादीगण के विरूद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 14/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अपर कलेक्टर
जिला सरगुजा

न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

राजस्व अपील प्रकरण क्रमांक 201803021000003/08/अ-6/2017-2018

// ईश्तहार/सूचना पत्र//

अपीलार्थी मुखदीप कौर आ० स्व० औतार सिंह जाति सिक्ख निवासी मुहल्ला बाबूपारा अम्बिकापुर, हाल मुकाम सरकारी स्कूल के पास टांटी बांध रायपुर, छ०ग० द्वारा न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर के रा.प्र.क्र. 119/अ-6/2005-06 (पक्षकार मंजीत कौर प्रति शासन) में पारित आदेश दिनांक 15.05.2006 से क्षुब्ध होकर छ.ग.भू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 के तहत इस न्यायालय में अपील प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान मे उक्त प्रकरण उत्तरवादीगण (1) हरप्रीत कौर आ० स्व० प्रभुजोत सिंह उम्र- 50 वर्ष (2) रश्मि कौर आ० स्व० प्रभुजोत सिंह उम्र- 24 वर्ष सभी निवासी बाबूपारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के इस न्यायालय में उपस्थिति के लिये प्रकरण दिनांक 26.05.2025 को नियत है।

अतः सभी उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 26.05.2025 को इस न्यायालय में दिन के 11.00 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने पर उत्तरवादीगण के विरूद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 14/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अपर कलेक्टर
जिला सरगुजा

शिक्षा का उद्देश्य संस्कार और सेवा होना चाहिए - राज्यपाल डेका

रायपुर। विप्र पब्लिक स्कूल, रायपुर के नव-निर्मित भवन का लोकार्पण जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि केवल डिग्री प्राप्त करना ही शिक्षा नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यक्तित्व को संवारने और समाज के प्रति जिम्मेदार बनाने की प्रक्रिया है। अपने उद्बोधन में राज्यपाल श्री डेका ने विप्र शिक्षा समिति और विप्र कॉलेज के 30 वर्षों की शिक्षायात्रा को गौरवपूर्ण बताते हुए सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह संस्थान न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि यह ज्ञान, सेवा और संस्कृति का संगम है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि ₹आज जब पूरा विश्व डिजिटल क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब ऐसी शिक्षा की जरूरत है जो आधुनिकता के साथ-साथ हमें हमारी जड़ों और भारतीय जीवन मूल्यों से भी जोड़े रखे। राज्यपाल ने श्री डेका कहा कि भवन कैसा है यह न देख हुए वहां कैसी शिक्षा मिल रही है यह देखा जाए। हमे ऐसी शिक्षा देना है जो स्थानीय भाषाओं और सांस्कृतिक समझ के साथ-साथ विज्ञान, गणित और तकनीकी शिक्षा को समन्वित करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नव-निर्मित भवन आने वाले वर्षों में शिक्षा की गुणवत्ता का प्रतीक बनेगा। श्री डेका ने कहा कि देश में गुरूकुल परंपरा को स्थापित करने में ब्राह्मण समाज का बहुत बड़ा योगदान है। ब्राह्मण समाज ने सदैव शिक्षा और नैतिकता तथा सामाजिक मार्गदर्शन को अपना कर्त्तव्य माना है। इस अवसर पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज ने अपना आर्शीवचन दिया। कार्यक्रम में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायकगण श्री राजेश मूणत, श्री पुरंदर मिश्रा, श्री अनुज शर्मा, रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, पूर्व मंत्री श्री रवींद्र चौबे ने भी अपना संबोधन दिया।

नशे में चूर पंचायत सचिव, ठप पड़ा नवापारा का विकास कार्य, प्रशासन की चुप्पी पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, कहा- जब सचिव ही लड़खड़ाएगा तो विकास कैसे चलेगा?

कोरबा अम्बिकावाणी - पोड़ी-उपरोड़ा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत नवापारा के सचिव रामेश्वर रजवाड़े के खिलाफ ग्रामीणों में भारी असंतोष है। ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव अक्सर नशे की हालत में पंचायत कार्यालय पहुंचते हैं और पंचायत कार्यों को लेकर पूरी तरह लापरवाह हैं। इस संबंध में हाल ही में एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें सचिव को नशे की अवस्था में देखा जा सकता है। यह वीडियो ग्रामीणों द्वारा ही रिकॉर्ड किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई पहली बार नहीं है, जब सचिव की नशे में होने की घटना सामने आई हो। पूर्व में भी उनके खिलाफ लापरवाही, गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार और पंचायत विकास कार्यों में रुचि न लेने की कई शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पंचायत में विकास कार्य केवल कागजों में सीमित रह गए हैं। बुनियादी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं।

ग्रामीणों का कहना है, ₹जब जिम्मेदारी निभाने वाला अधिकारी ही नशे में चूर होगा, तो गांव का विकास कैसे होगा? हमारी समस्याओं का समाधान कौन करेगा? ग्रामीणों ने जनपद अधिकारी पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वे सचिव को संरक्षण दे रहे हैं, जिस कारण अब तक कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं हुई है। इससे पंचायत क्षेत्र में शासन-प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि सचिव रामेश्वर रजवाड़े को तत्काल प्रभाव से पद से हटाया जाए और उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे धरना-प्रदर्शन और आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

रणदीप हुड्डा ने हासिल किए ऑपरेशन खुकरी के फिल्म राइट्स, निभाएंगे मेजर जनरल पुनिया का किरदार

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी नई फिल्म जाट की सफलता का आनंद ले रहे हैं। अब वह एक और बड़ी फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसमें रोमांचक और देशभक्ति से भरी कहानी होगी। दरअसल, उन्होंने सेना पर आधारित किताब ऑपरेशन खुकरी के फिल्म राइट्स खरीद लिए हैं, यानी अब वह इस किताब पर फिल्म बनाएंगे और उसमें एक्टिंग भी करेंगे। रणदीप हुड्डा ने कहा, ऑपरेशन खुकरी की कहानी ने मुझे भीतर तक प्रभावित किया है। यह सिर्फ गोलियों और जीत की बात नहीं है, बल्कि इसमें बलिदान, भाईचारा और मुश्किल हालात में भी हिम्मत न हारने की कहानी है। यह कहानी दिल से जुड़ने वाली है।

वैरायटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, रणदीप हुड्डा ने ऑपरेशन खुकरी- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मी के ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड नाम की किताब के फिल्म बनाने के ऑफिशियल राइट्स ले लिए है। इस किताब को मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया ने लिखा है। अब रणदीप इस सच्ची घटना पर आधारित एक बड़ी मिलिट्री ड्रामा फिल्म बनाएंगे, जिसमें भारतीय सेना के साहसी अभियानों की कहानी दिखाई जाएगी, जो विदेशी धरती पर चलाए गए। रणदीप ने आगे कहा, मेजर जनरल पुनिया का रोल निभाना मेरे लिए एक सम्मान और बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने अपने सैनिकों को एक अनजान देश मे 75 दिनों की घेराबंदी से सुरक्षित बाहर निकाला। हमारा मकसद भारतीय सेना के इतिहास के उस अध्याय को लोगों के सामने लाना है, जिसे उतनी पहचान नहीं मिली जितनी मिलनी चाहिए थी। हमारे सैनिकों की उस भावना के लिए, जो कहती है कि हम मर जाएंगे लेकिन हार नहीं मानेंगे।, मुझे लगता है कि यह कहानी हर भारतीय को प्रेरित करेगी।

फिल्म ऑपरेशन खुकरी साल 2000 में हुई वास्तविक जीवन की घटनाओं को पर्दे पर सामने लाएगी। उस समय 233 भारतीय सैनिकों को सिएरा लियोन, जो अब पश्चिमी अफ्रीका का एक देश है, मे बागी लड़ाकों ने बंधक बना लिया था। इसके बाद, उन्हें बचाने के लिए एक बहुत ही खतरनाक और साहसिक मिशन चलाया गया। मेजर जनरल राजपाल पुनिया ने उस मुश्किल हालात के बीच अपने सैनिकों को सुरक्षित बाहर निकाला था। यह साहस से लबरेज नेतृत्व की कहानी है।

स्कूप जैसा शो करने की कीमत चुका रही हूं

करिश्मा तन्ना टीवी की दुनिया की सबसे मशहूर, सबसे होनहार एक्ट्रेसेस में से हैं। 2001 में जब उन्होंने क्योंकि सास भी कभी बहू थी में इंदू बनकर छोटे पर्दे पर डेब?यू किया, तो हर घर की दुलारी बनीं। फिर पालकी से लेकर नागिन 3 और कयामत की रात जैसे सीरियल्स ने उन्हें सुपरस्टार का दर्जा दिया। बात रियलिटी शोज की आई तो करिश्मा ने बिग बॉस 8 में फर्स्ट रनर-अप और खतरों के खिलाड़ी 10 में विनर बनकर अपना दम दिखाया। लेकिन अफसोस कि होनहार कलाकार और खूबसूरती में भी अच्छे-अच्छों को मात देने वाली करिश्मा लंबे समय से पर्दे से गायब हैं। चार साल से वह टीवी पर नजर नहीं आई हैं।

जिग्ना वोरा केस पर बनी थी 2023 में आई स्कूप वेब सीरीज

जिग्ना वोरा केस पर बनी वेब सीरीज स्कूप में करिश्मा ने लीड रोल प्ले किया था। उनके काम की खूब तारफी भी हुई। लेकिन 2023 मे आई इस सीरीज के बाद उन्हें कोई बड़ा रोल नहीं मिला। हां, इस बीच वह अनन्या पांडे की वेब सीरीज कॉल मी बे में कैमियो रोल मे नजर जरूर आईं। वह अच्छा काम नहीं मिलने के कारण अपना फ्रस्टेशन जरूर जाहिर करती हैं।

2022 में करिश्मा तन्ना ने वरुण बंगेरा से की शादी

मुंबई में 21 दिसंबर 1983 को पैदा हुई करिश्मा तन्ना 41 साल की हैं। गुजराती परिवार में पैदा हुई इस हसीना ने 2022 में वरुण बंगेरा से शादी की। अब एक हालिया इंटरव्यू में करिश्मा ने काम नहीं मिलने को लेकर चुप्पी तोड़ी है। जब उनसे पर्दे से गायब हो जाने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, मुझे सच में नहीं पता, मेरे पास कोई जवाब नहीं है।

ऐसा नहीं है कि मैं बहुत ज्यादा चूजी हो गई हूं

बड़े पर्दे पर संजू और ग्रैंड मस्ती जैसी फिल्मों का हिस्सा रही करिश्मा तन्ना ने बातचीत की है। इसमें स्कूप के बाद काम की कमी को लेकर उन्होंने कहा, मेरे पास सच मे कोई जवाब नहीं है। लंबे समय के बाद, मेरे पास एक स्टेज और एक्टिंग फोकस स्क्रिप्ट थी। स्कूप का किरदार चैलेंजिंग था। ऐसा नहीं है कि इस शो के बाद मैं बहुत ज्यादा चूजी हो गई हूं।

मैं बस अच्छे काम का इंतजार कर रही हूं करिश्मा तन्ना आगे कहती हैं, मुझे पता है कि अगर सही स्क्रिप्ट लिखी जाती है, तो निर्देशक इसे हाई लेवल पर ले जा सकते हैं। मैं बस उस तरह के काम का इंतजार कर रही हूं।

मुझे ऐसे ऑफर्स मिले, जिसे हां करने का मन नहीं किया

दोस्ती- फ्रेंड्स एंड फॉरएवर से 2005 में फिल्मों में डेब्यू करने वाली करिश?मा कहती हैं, मुझे इस बीच ऑफर मिले। लेकिन किसी कारण से... मुझे जो मिला, उसे हां कहने का मन नहीं कर रहा है। मैंने यह करके दिखाया है कि मैं क्या कर सकती हूं। स्कूप के बाद मैं कैरेक्टर-फोकस रोल्स मिलने की की उम्मीद कर रही थी।

मैं स्कूप जैसे शोज करने की कीमत चुका रही हूं

वह बताती हैं, मैं ऐसी स्क्रिप्ट पाने की उम्मीद करती हू जिसके साथ मैं न्याय कर सकू। इंतजार, कभी-कभी निराशाजनक भी होता है। मैं सेट पर जाना चाहती हू... हाथों मे फिर से स्क्रिप्ट पकड़ना, कैमरे का सामना करना और निर्देशकों और निर्माताओं के बीच रहना। लेकिन जब आप स्कूप जैसे शोज करते हैं तो आपको इसकी कीमत चुकानी पड़ती है - यह शायद कुछ अच्छे के लिए इंतजार करने का खेल है।

इंटेंस इमेज से बोर हुए शरद केलकर, बोले अब लोगों को हंसाना है

बॉलीवुड में एक बार कोई इमेज बन जाए, तो उससे बाहर निकलना आसान नहीं होता। सिर्फ एक्शन ही करता है, सिरियस ही दिखता है, कॉमेडी से दूर रखो - ऐसी धारणाएं हर एक्टर को कभी न कभी झेलनी पड़ती हैं। कुछ ऐसा ही हुआ एक्टर शरद केलकर के साथ। शरद केलकर को अक्सर इंडस्ट्री में पुलिस अफसर या इंटेंस किरदारों के लिए ही कास्ट किया गया है। मगर उनके मन में कुछ और ही चल रहा- वो ऑनस्क्रीन 'क्राइम मास्टर गोगो' बनना चाहते हैं।

मुझे क्राइम मास्टर गोगो का रोल करना है

अमर उजाला से खास बातचीत में शरद ने अपनी दिल की बात रखी। उन्होंने कहा, मैं क्राइम मास्टर गोगो का रोल करना चाहता हू। अंदाज अपना अपना वाला। अब जाहिर है, मैं आमिर या सलमान तो बन नहीं सकता, पर क्राइम मास्टर गोगो जैसा किरदार करने में मुझे बड़ा मजा आएगा। शरद ने बताया कि कॉमेडी करने की उनकी बड़ी इच्छा है, लेकिन लोगों की बनी बनाई छवि की वजह से उन्हें ये चांस ही नहीं मिलता। पता नहीं क्यों, लोगों को लगता है मैं बहुत सीरियस आदमी हू। जबकि रियल लाइफ मे मैं पूरा मस्तीखोर हू। अगर आप मेरी शूटिंग यूनिट या दोस्तों से पूछेंगे तो सब यही कहेंगे कि मैं सबसे ज्यादा जोक्स क्रैक करता हूं, सबसे ज्यादा मस्ती करता हूं। मैं तो खुद को भी कहता हू कि मैं वो एक्टर हू ही नहीं, जो लोग समझते हैं।

किरदार नहीं, एक्टिंग से जज करो

शरद ने कहा, परदे का किरदार ही इंसान समझना बड़ी भूल है। अगर कोई नेगेटिव रोल करता है, तो लोग समझते हैं कि वो असल जिंदगी में भी वैसा ही है। लेकिन असल में हर एक्टर एक आम इंसान होता है, जिसकी अपनी फैमिली और जिम्मेदारियां होती हैं। एक बार विलन या पुलिस वाला बन गए, तो बस वही रोल बार-बार मिलता है। लोग उस इमेज से बाहर आने नहीं देते। सच ये है कि एक्टर की असली पहचान उसका टैलेंट है, किरदार नहीं। उसे रोल्स से नहीं, उसकी कला से जज करें।

मुझे खुद को रिपीट करना पसंद नहीं

शरद ने ये भी बताया कि कैसे उन्होंने खुद को टाइपकास्ट होने से बचाने की कोशिश की। एक्टर ने कहा, एक समय ऐसा भी आया जब मुझे लगातार पुलिसवाले रोल्स मिलने लगे थे। जैसे जगदीश राज जी के बाद सबको लगता था अगला पुलिस वाला मैं ही बनूंगा। मतलब इंडस्ट्री में टाइम पास करते हुए सोचते थे कि अब ये रोल शरद को दे दो। मैंने सोच-समझकर ऐसे रोल्स कम कर दिए, ताकि मैं खुद को रिपीट न करूं।

शरद का मानना है कि सिर्फ एक्टर्स ही नहीं, डायरेक्टर्स भी टाइपकास्टिंग का शिकार होते है। विक्रम भट्ट को ही देख लीजिए। लोग उन्हें सिर्फ हॉरर फिल्मों के लिए जानते हैं - 'राज', '1920', 'हॉन्टेड' जैसी फिल्में उनकी पहचान बन गईं। पर वही विक्रम भट्ट ने 'आवारा पागल दीवाना' जैसी सुपरहिट कॉमेडी भी बनाई है। मगर इंडस्ट्री उन्हें वही हॉरर फ्रेम में देखना चाहती है। मौका मिलेगा तो हर कोई कुछ नया कर सकता है - बस नजरिया बदलने की जरूरत है।

क्राइम मास्टर गोगो- बॉलीवुड की क्लासिक कॉमिक आइकॉन क्राइम मास्टर गोगो का किरदार बॉलीवुड में हमेशा यादगार रहेगा। शक्ति कपूर ने इसे जो अंदाज दिया, वह आज भी लोगों के दिलों मे बसता है। उनकी कॉमिक टाइमिंग और स्टाइल इस रोल को क्लासिक बनाती है।

सैयामी खेर ने सर्जरी कराने वाले एक्टर्स पर किया तंज

हाल ही में एक्ट्रेस सैयामी खेर सन्नी देओल अभिनीत जाट फिल्म में नजर आई थीं। अब उन्होंने कलाकारों द्वारा सुंदर दिखने के लिए अपने शरीर के अंगों की सर्जरी करवाने पर टिप्पणी की है। इसके बारे मे बात करते हुए सैयामी ने कहा कि उन्हें भी कॉस्मेटिक सर्जरी कराने के लिए कहा गया था।

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान अभिनेत्री सैयामी खेर से कॉस्मेटिक सर्जरी के तहत सुंदरता पाने को लेकर सवाल किया गया। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने बताया, केवल अभिनेत्रियों पर? नहीं, मुझे लगता है कि यह अभिनेता-अभिनेत्रियों सभी पर लागू होता है। मुझे लगता है कि अगर कोई अपने दिखने के तरीके से खुश नहीं है और वो कुछ इसमें बदलाव चाहते हैं, तो उन्हें हर तरह से ऐसा करना चाहिए। लेकिन आप इस बात से इतने प्रभावित नहीं हो सकते कि दुनिया क्या सोचती है, यह मेरी राय है।

जब सैयामी को भी सर्जरी कराने के लिए कहा गया

आगे बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने बताया, 'कुछ लोगों ने मुझे बताया कि मुझे लिप जॉब करवाने की जरूरत है क्योंकि मेरे होंठ पर्याप्त रूप से भरे हुए नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे नाक की सर्जरी करवानी चाहिए।' इसके जवाब मे एक्ट्रेस ने कहा, 'लेकिन मैं ठीक हू। मुझे अपने होंठ वैसे ही पसंद हैं जैसे वे हैं, मुझे उनसे कोई समस्या नहीं है। हर कोई सुंदर दिखने के लिए फैक्ट्री में बने उत्पाद की तरह दिखने लगा है। आप एक निश्चित तरीके से बने होते हैं और यह आपको प्रामाणिकता देता है। इसलिए मुझे लगता है कि हमें ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए, जहां इतनी इनसिक्योरिटी ना हो। ये इस बारे में होना चाहिए कि उसका प्रदर्शन कैसा है ना कि उनके होंठ बड़े हैं या नहीं।'

सैयामी खेर को आखिरी बार गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित जाट फिल्म में देखा गया था। इसके अलावा उन्हें कई साउथ फिल्मों में भी दिखा गया है, जैसे- चोक्ड, अनगॉज्ड और वाइल्ड डॉग और हाईवे आदि।

राणा नायडू सीजन 2 - इस बार हर लाइन होगी क्रॉस... राणा दग्गुबाती का रास्ता रोकेंगे अर्जुन रामपाल

राणा दग्गुबाती, वेंकटेश और सुरवीन चावला की पॉपुलर वेब सीरीज राणा नायडू एक बार फिर धमाल मचाने की तैयारी में है। इस बार मजा और रोमांच और बढ़ने वाला है, क्योंकि राणा का रास्ता रोकने के लिए अर्जुन रामपाल खूंखार अवतार में कहानी में एंट्री करेंगे। तीन महीने पहले राणा नायडू सीजन 2 का टीजर रिलीज किया गया था। अब मेकर्स ने इसके रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। राणा नायडू 2 अगले महीने जून मे सरगर्मी बढ़ाने की तैयारी में है। दो साल पहले 2023 में जब राणा नायडू का पहला सीजन रिलीज हुआ था, तब इस पर खूब हायतौबा मची थी। खासकर सीरीज की भाषा और इसमें बाप-बेटे के रिश्ते को जिस तरह दिखाया है, उस पर बवाल मचा। बहरहाल, करण अंशुमान, सुपर्णा वर्मा और अभय चोपड़ा के डायरेक्शन मे बनी यह सीरीज अब दूसरे, दमदार सीजन के साथ लौट आया है।

कब और कहां देखें राणा नायडू सीजन 2

दिग्गज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर सीजन-2 के नए पोस्टर के साथ रिलीज डेट का ऐलान किया है। इस पोस्ट मे राणा दग्गुबाती को बीच में दिखाया गया है, जो एक लकड़ी का बल्ला पकड़े हुए हैं। साथ मे अर्जुन रामपाल, वेंकटेश, सुरवीन चावला और कीर्ति खरबंदा भी हैं। कैप्शन में लिखा गया है, जब बात परिवार की हो, राणा हर लाइन क्रॉस करेगा। राणा नायडू सीजन 2 देखें, 13 जून को, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर।

इस बार अधिक रोमांच और अधिक हाई ऑक्टेन ड्रामा

नेटफ्लिक्स ने इसके साथ ही एक बयान में कहा, साल 2023 की सबसे सफल हिट सीरीज में से एक बनने के बाद, यह सीरीज और भी ज्यादा रोमांचक होने वाला है। विश्वासघात और हिसाब-किताब बराबर करने की लड़ाई इस बार हाई-ऑक्टेन ड्रामा के साथ आगे बढ़ने वाली है। दूसरे सीजन में दर्शकों को परिवार, सत्ता और किरदारों के भीतर छुपे राक्षसों की अराजकता को और गहराई से देखने का मौका मिलेगा।

राणा नायडू सीजन 2 कास्ट

राणा नायडू 2 मे जहां राणा दग्गुबाती, वेंकटेश और अर्जुन रामपाल लीड रोल में है, वहीं उनके साथ सुरवीन चावला, कीर्ति खरबंदा, सुशांत सिंह, अभिषेक बनर्जी और डिनो मोरिया भी दिखेंगे।

क्या है राणा नायडू की कहानी

यह कहानी राणा नायडू नाम के किरदार की है, जो फिक्सर है। यानी वह पैसों के लिए सेलेब्स और बड़े रसूख वाले लोगों की हर तरह की समस्या को सुलझाता है। राणा अपने पेशे में सबका बाप है। लेकिन निजी जीवन में वह उथल-पुथल से घिरा हुआ है। उसकी स्थिति तब और खराब हो जाती है जब उसका बाप नागा नायडू जेल से रिहा होकर लौटता है। बाप-बेटे के रिश्ते का एक ऐसा अतीत है, जिस कारण दोनों हमेशा एक-दूसरे के खिलाफ ही खड़े होते हैं। नागा नायडू को 15 साल बाद जेल से रिहाई मिलती है। राणा के दो और भाई भी हैं। नागा अपने बेटों से रिश्ता सुधारना चाहता है। लेकिन यहां, तनाव और बिखराव ज्यादा है।

अमेरिकी टीवी शो का रीमेक

वैसे, जानकारी के लिए यह भी बता दें कि राणा नायडू अमेरिकी टीवी सीरीज रे डोनोवन का ऑफिशियल रीमेक है। यह सीरीज इसलिए भी चर्चा में रही है, क्योंकि इसमें असल जिंदगी में चाचा-भतीजा यानी राणा दग्गुबाती और वेंकटेश साथ काम कर रहे हैं। दोनों इसमें बाप-बेटे (राणा और नागा) के रोल में हैं।

बॉडी लैंग्वेज बन सकता है इंटरव्यू में सिलेक्शन न होने का कारण

जॉब के लिए इंटरव्यू के दौरान लोग बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी कई गलतियां करते हैं। जिसके कारण इंटरव्यू अच्छा जाने के बाद भी उनका सिलेक्शन नही होता है। यहां हम आपको सही बॉडी लैंग्वेज के साथ इंटरव्यू क्रैक करने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। अच्छी जॉब की चाहत रखने वाले लोग काफी समय पहले से ही इंटरव्यू की तैयारियां शुरू कर देते हैं। इंटरव्यू से पहले लोग तमाम सवालों की तैयारियां भी करते हैं। इस दौरान लोग इंटरव्यू में अच्छा इंप्रेशन देने के लिए आउटफिट्स को लेकर भी कंफ्यूज हो जाते हैं। इन सारी तैयारियों के अलावा कुछ जरूरी बातें हैं जिनका आपको खास ध्यान रखना चाहिए।

कई बार इंटरव्यू अच्छा जाने के बाद भी आप सिलेक्शन से चूक जाते हैं। इस दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज बहुत मायने रखता है। आज हम आपको उन बॉडी लैंग्वेज के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको इंटरव्यू के दौरान बिलकुल भी नहीं करनी चाहिए।

ऐसे करें शुरुआत

इंटरव्यू में आपके उठने-बैठने का तरीका, हाव-भाव, आपके हाथ के एक्शन आदि के अलावा आपकी बॉडी लैंग्वेज पर भी खास ध्यान दिया जाता है। इंटरव्यू के लिए जाने के दौरान सामने वाले से हाथ मिलाने के दौरान इस बात का खास ध्यान रखें कि हाथ न तो बहुत हल्के से और न बहुत तेजी से मिलाएं। यदि आपके हाथ गीले हों तो उन्हें पोंछकर साफ कर लें। वहीं इंटरव्यू के दौरान सामने वाले से आई कॉन्टैक्ट बनाकर रखें। वहीं हैंडशेक करने के दौरान गर्मजोशी से मिलें। आंखें झुकाकर या कहीं और देखते हुए हैंडशेक करने की गलती न करें।

स्ट्रेट होकर बैठें

इंटरव्यू के दौरान आपको स्ट्रेट होकर बैठना चाहिए। इसके अलावा अगर आप इंटरव्यू लेने वाले के सामने क्रास लेग करके बैठते हैं तो यह आपके इंप्रेशन को खराब कर सकता है। साथ ही यह सामने वाले पर्सन पर भी बुरा प्रभाव डालता है। इसलिए इंटरव्यू के दौरान इस तरह की गलती किए जाने से बचना चाहिए। बता दें कि स्ट्रेट पोस्चर यानि की एकदम सीधे होकर बैठने से आपका सामने वाले पर डिफेंसिव इंप्रेशन जाता है। ढीला-ढाला पोस्चर आपकी खराब बॉडी लैंग्वेज को दिखाता है।

क्रॉस आर्म्स

बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी एक क्रॉस आर्म्स होती है। इंटरव्यू देते समय हाथों को सीधे अपनी थाई पर रखकर बैठें। इस दौरान न तो हाथों को क्रॉस करें और न ही हाथ जेब में डालें। अगर आप हाथ क्रॉस करके बैठते हैं तो यह आपके एरोगेंस को दिखाता है। जिससे इंटरव्यू में खराब इंप्रेशन पड़ता है। कई लोग टेबल के ऊपर हाथ रखकर बात करते हैं। ऐसा भी करने से बचना चाहिए। बता दें कि जब तक हाथ से कोई बहुत जरूरी बात न समझानी हो, तब तक हाथों को इधर-उधर न करें। इसके अलावा बार-बार अपने हाथों को बालों पर न फिराएं।

फेस टच

कई लोगों की बार-बार अपने चेहरे, बालों या कपड़ों को टच करने की आदत होती है। यदि आप किसी इंटरव्यू के दौरान भी ऐसी हरकत करतें है, तो यह सामने वाले को आपके खराब इंप्रेशन को दिखाता है। क्योंकि ये आदतें नेगेटिव बॉडी लैंग्वेज जेस्चर में आती हैं। इसलिए इंटरव्यू के दौरान भूलकर भी ऐसी गलती नहीं करनी चाहिए। आपकी बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी इस तरह की कई गलतियां इंटरव्यू में असफल होने का कारण भी बन सकती हैं।

बीटेक इन इलेक्ट्रिकल में बनाएं करियर

जिन छात्रों को इलेक्ट्रानिक्स और कंप्यूटर दोनों में रुचि है। वह इंजीनियरिंग में अपना करियर बना सकते हैं। इसमें आपकी रुचि के हिसाब से कई कोर्स मिल जाएंगे। हालांकि इन कोर्सों में एडमिशन लेने से पहले छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होती है।

इंटरमीडिएट की पढ़ाई करने के बाद छात्रों के सामने करियर को लेकर चिंता बढ़ जाती है। वहीं जो स्टूडेंट 12वीं के बाद इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। उनके लिए इंजीनियरिंग में ढेरों स्पेशलाइजड कोर्स है। आपको बता दें कि इंजीनियरिंग में 2 प्रकार की बैचलर डिग्री होती है। जिनमें से एक बीई, बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग और दूसरा बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी यानी बीटेक है। वहीं जिन स्टूडेंट्स को इलेक्ट्रानिक्स और कंप्यूटर दोनों में रुचि है। उनके करियर के लिए इंजीनियरिंग का ऑप्शन सबसे बेस्ट है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बीटेक इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग कोर्स के बारे में पूरी जानकारी देंगे। इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग की एक ब्रांच इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर साइंस है। जिसके जरिए कंप्यूटर के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को विकसित करने का काम किया जाता है। इस सब्जेक्ट के जरिए दोनों विषयों को अलग-अलग किया गया है। ताकि जिस स्टूडेंट को जिस सब्जेक्ट में इंट्रेस्ट हो, वह उसमें अपना करियर बना सके। बता दें कि इस कोर्स को करने के बाद आप एक आकर्षक सैलरी पर नौकरी कर सकते हैं।

कोर्स

बीटेक इन इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीटेक का कोर्स 4 साल का होता है। 12वीं पास स्टूडेंड संबंधित सब्जेक्ट मे डिप्लोमा कर सकते हैं। हालांकि इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए स्टूडेंट को परीक्षा देनी होती है। कोर्स को आसान बनाने के लिए इसे सेमेस्टर सिस्टम में लागू किया गया है। इस दौरान स्टूडेंट को कोर्स पढ़ाने के अलावा थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल भी करवाया जाता है। कोर्स की पढ़ाई के दौरान उन्हें काफी कुछ सिखाया जाता है। जिससे कि छात्रों को करियर की शुरूआत में किसी तरह की दिक्कत न आए।

कॉलेज और फीस

- करुणा प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान तमिलनाडु - 7.24 लाख
- एसआरएम प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु - 10.1 लाख
- एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज, तमिलनाडु - 10.1 लाख
- सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश - 2.02 लाख
- अमृता विश्व विद्यापीठम अमृतपुरी परिसर, केरल - 4 लाख
- रेवा विश्वविद्यालय, कर्नाटक - 9 लाख

योग्यता

- इसके लिए स्टूडेंट का 12वीं पास होना जरूरी है।
- स्टूडेंट ने साइंस स्ट्रीम से पढ़ाई की हो।
- पीसीएम के मुख्य सब्जेक्टों के बारे में जानकारी होनी चाहिए।
- स्टूडेंट के कम से कम 50 प्रतिशत नंबर होने चाहिए।
- वहीं रिजर्व कैटेगिरी के पास 45 प्रतिशत अंक योग्यता
- स्टूडेंट की उम्र 17 से 23 साल के बीच होनी चाहिए।

एडमिशन

बीटेक में इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स करने के लिए स्टूडेंट को प्रवेश परीक्षा देनी होती है। इनमें से सबसे अहम प्रवेश परीक्षा जेईई मेंस और जेईई एडवांस है। वहीं अन्य संस्थान और राज्य अपने स्तर पर भी कई तरह की प्रवेश परीक्षा करवाते हैं। इन परीक्षाओं में पास होने के बाद ही स्टूडेंट इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। एडमिशन एग्जाम के बाद सीट अलॉटमेंट के लिए काउंसलिंग और कुछ जगह इंटरव्यू का भी प्रोसेस होता है।

अन्य ऑप्शन

इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आगे की भी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। वहीं यह कोर्स पूरा होने के बाद आप एक पेशेवर के तौर पर अच्छी सैलरी पर भी काम कर सकते हैं। बता दें कि इस कोर्स के बाद छात्र सीनियर डेवलपर, सप्लाई चेन एग्जिक्यूटिव और मैनेजर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, कंप्यूटर इंजीनियर और रिजनल मैनेजर आदि के पदों पर काम कर सकते हैं। शुरूआती दौर में इस फील्ड में आप सालाना 2 से 7 लाख रुपए महीने कमा सकते है। वहीं एक्सपीरियंस के आधार पर आपकी सैलरी भी बढ़ती जाती है।

मास कम्यूनिकेशन के जरिए पूरा किया जा सकता है मीडिया में काम करने का सपना

कई छात्र टीवी, रेडियो और प्रिंट मीडिया में काम करने का सपना देखते हैं। इस सपने को मास कम्यूनिकेशन कोर्स के जरिए पूरा किया जा सकता है। इस कोर्स को आप लखनऊ के इन कॉलेजेस से कर सकते हैं।

कई लोगों का मीडिया, टीवी और रेडियो में काम करने का सपना होता है। इस तरह की रुचि रखने वाले छात्र अक्सर मीडिया इंडस्ट्री में जुड़ने की इच्छा रखते है। जिसके चलते लाखों स्टूडेंट तेजी से बढ़ती मीडिया इंडस्ट्री का हिस्सा बनने के लिए मास कम्यूनिकेशन कोर्स में एडमिशन लेते है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस कोर्स के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। 12वीं और अंडर ग्रेजुएट डिग्री करने वाले छात्र इस कोर्स को कर सकते हैं। साथ ही आपको लखनऊ के बेस्ट कॉलेज के बारे में भी बताएंगे, जहां से आप इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं।

प्रोफेशनल डिग्री कोर्स

मास कम्यूनिकेशन का कोर्स प्रोफेशनल डिग्री है। इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए स्टूडेंट को किसी विशेष स्ट्रीम से 12वी पास होना जरूरी नहीं होती है। आर्ट, साइंस और कॉमर्स से पढ़े छात्र भी मास कम्यूनिकेशन का कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स को पूरा करने के बाद आप कई विभिन्न पदों पर काम करने के योग्य हो जाते हैं। एक जर्नलिस्ट के तौर पर काम कर अपने सपने को पूरा कर सकते हैं।

बैचलर कोर्स की योग्यता

मास कम्यूनिकेशन में बैचलर कोर्स मे एडमिशन लेने के लिए छात्रो का 12वी पास होना जरूरी है। किसी भी स्ट्रीम का स्टूडेंट मास कम्यूनिकेशन का कोर्स कर सकता है। इस कोर्स में मेरिट और प्रवेश परीक्षा दोनों तरह से एडमिशन लिया जाता है। मेरिट के आधार पर एडमिशन के लिए स्टूडेंट को 12वीं में अच्छे नंबर लाने होते हैं। वहीं प्रवेश परीक्षा के जरिए स्टूडेंट्स को एग्जाम में अच्छा स्कोर करना होता है। हर संस्थान में एडमिशन के लिए अलग-अलग योग्यता होती है।

मास्टर कोर्स में प्रवेश की योग्यता

अगर आप पहले से ग्रेजुएशन पूरा कर चुके है तो मास मीडिया का कोर्स करने के लिए आप मास कम्यूनिकेशन मे मास्टर की डिग्री कर सकते हैं। मास्टर्स कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्रो को बैचलर मे न्यूनतम 50% नंबर लाने होते हैं। इसके लिए आपको प्रवेश परीक्षा देनी होती है।

सप्लाई चेन मैनेजमेंट में बनाना है कॅरियर तो....

सप्लाई चेन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने से पहले आपको यह जानने की आवश्यकता है कि वास्तव में यह क्या है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट में अपने स्रोत से ग्राहक तक माल और सेवाओं के फ्लो को मैनेज किया जाता है।

आज के समय में कॅरियर की अनेक राहें हमारे पास मौजूद हैं। ऐसे कई क्षेत्र है, जिनमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। लेकिन पर्याप्त जानकारी ना होने के कारण यंगस्टर्स इन करियर ऑप्शन को चुनते ही नहीं है। ऐसा ही एक क्षेत्र है सप्लाई चेन मैनेजमेंट। किसी भी कंपनी को सक्सेसफुली चलाने के लिए सप्लाई चेन मैनेजमेंट की बेहद आवश्यकता होती है। यही कारण है कि इस पद पर नियुक्त लोगो को काफी अच्छी सैलरी मिलती है और उनके करियर की ग्रोथ भी काफी अच्छी होती है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने से पहले आपको यह जानने की आवश्यकता है कि वास्तव मे यह क्या है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट में अपने स्रोत से ग्राहक तक माल और सेवाओं के फ्लो को मैनेज किया जाता है। यह तैयार हुए प्रोडक्ट को शिपिंग के लास्ट स्टेज तक को स्मूद बनाने का मैनेजमेंट है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य बिना किसी समस्या के ग्राहकों तक प्रोडक्ट को पहुंचाने की प्रक्रिया को अधिक आसान बनाना है। जब इसे सही तरीके से किया जाता है, तो इससे मार्केट में बिजनेस को बढ़त हासिल करने मे भी मदद मिलती है।

सप्लाई चेन मैनेजर क्या करता है?

अब सवाल यह उठता है कि एक सप्लाई चेन मैनेजर का क्या काम होता है। दरअसल, एक सप्लाई चेन मैनेजर कच्चे माल की खरीद से लेकर उत्पादन तक कंपनी की सभी सप्लाई चेन के लिए जिम्मेदार होता है। ये वे पेशेवर होते हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि उत्पाद समय पर पहुंचें और बिना डैमेज कच्चे माल का भंडारण किया जाए। उन्हें तैयार किया जाए और बिना किसी समस्या के ग्राहकों तक सही समय पर व आसानी से पहुंचाया जाए। सप्लाई चेन में मैन्यूफैक्चरिंग से लेकर वेयरहाउस, पैकेजिंग, डिलीवरी जैसे कई छोटे-छोटे सेक्शन्स शामिल होते हैं। इन सभी को मैनेज करने की जिम्मेदारी सप्लाई चेन मैनेजर के कंधों पर होती है।

सप्लाई चेन मैनेजमेंट में जॉब के क्या अवसर हैं?

किसी भी प्रोडक्ट को तैयार करने में कई चरण होते हैं और यह सभी एक व्यक्ति द्वारा संभव नहीं है। इसलिए हर कंपनी में सप्लाई चेन मैनेजमेंट को कंप्लीट करने के लिए कई एक्सपर्ट्स की जरूरत होती है। ऐसे मे इस क्षेत्र में जॉब ऑप्शन की कमी नहीं है। आप छोटे से लेकर बड़े ब्रांड तक मे बतौर लॉजिस्टिक रिसोर्स प्लानर, मेंटेनेंस मैनेजर, क्वालिटी मैनेजर, प्रोडक्शन प्लानर, वेयरहाउस मैनेजर, आदि पदो पर जॉब की तलाश कर सकते हैं। चूंकि, उत्पादन व बिक्री का बाजार कभी बंद नहीं होने वाला है, इसलिए इस क्षेत्र में आपको अपने भविष्य को लेकर चिंतित होने की कोई आवश्यकता भी नहीं है।

सप्लाई चेन मैनेजर कितना कमा सकता है?

एक सप्लाई चेन मैनेजर किसी भी कंपनी में बेहद ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। वह कच्चे माल की खरीद से लेकर प्रोडक्ट की क्वालिटी और फिर उसे अपने कस्टमर्स तक पहुंचाने मे मुख्य भूमिका मे होता है। एक तरह से उसकी भूमिका के कारण ही कंपनी की ग्रोथ पर गहरा असर पड़ता है। इसलिए उनकी सैलरी भी काफी अच्छी होती है। हालांकि, एक्सपीरियंस बढ़ने के साथ उनकी आमदनी भी बढ़ती जाती है। अपने करियर की शुरुआत में ही आप 40000-50000 रूपए तक आसानी से कमा सकते हैं। कुछ सालों के अनुभव के बाद सैलरी प्रतिमाह लाखों में होती है।

सप्लाई चैन मैनेजमेंट के लिए कोर्स

अगर आप सप्लाई चैन मैनेजमेंट के क्षेत्र मे अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपको एमबीए इन लॉजिस्टिक एंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट कोर्स करना चाहिए। इसके अलावा आप किसी अच्छे संस्थान से इससे जुड़ा कोर्स करके अपना करियर बना सकते हैं।

- स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून
- आईआईएसडब्ल्यूबीएम कोलकाता - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वेलफेर एंड बिजनेस मैनेजमेंट इन कोलकाता
- डॉ. डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी (डीवाईपीयूएसएम), नवी मुंबई

वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन ने किया भगवान श्री परशुराम की 1100 दीपों से महाआरती

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद के संयुक्त तत्वाधान में भगवान श्री परशुराम जी की 11सौ दीपों से महाआरती आचार्य श्री इन्दूभवानन्द जी महाराजश्री की अगुवाई में श्री दूधाधारी सत्संग भवन में सम्पन्न हुई. सभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री इन्दूभवानन्द जी महाराज ने भगवान श्री परशुराम जी के बारे में बताया कि वे शास्त्र एवं शस्त्र दोनों ही विधा में पारंगत थे. अधर्मियों, राक्षसों के नाश में वे कोई संकोच नहीं करते थे. वे सच्चे धर्म रक्षक थे. गंगा पुत्र भीष्म, द्रोणाचार्य, अंगराज कर्ण जैसे महान योद्धाओं के वे गुरु थे. अपने माता-पिता के वे आज्ञाकारी थे एवं दोनों के प्रति सम्मान रखते थे.

जच्चा-बच्चा की सेहत के लिए कोरिया जिले में मनाया गया पीएमएसएमए दिवस

यदि मिलेगा सही पथ, तो जच्चा-बच्चा रहेगा स्वस्थ' थीम पर आधारित रहा आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर - प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। यह आयोजन जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना, सोनहत (बचरा पोड़ी) तथा सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में एक साथ संपन्न हुआ।

इस अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, उपचार और परामर्श दिया गया। खास बात यह रही कि इस बार उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं (एचआरपी केस) की लाइन लिस्टिंग कर, प्रत्याशित प्रसव तिथि (ईडीडी) चिन्हांकित की गई और उन्हें विशेष रूप से चिन्हित कर उन्नत जांच और इलाज की सुविधा दी गई।

जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया, मरीजों से संवाद किया और भर्ती गर्भवती महिलाओं को फल वितरित कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि जिले में कोई भी उच्च जोखिम वाली गर्भवती माता सेवाओं से वंचित न रहे और सभी स्वास्थ्य संस्थानों में सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जाए।

राज्य स्तर की स्वास्थ्य टीम ने भी इस आयोजन की निगरानी की और जिला स्वास्थ्य विभाग के टीम वर्क एवं प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के पूर्व पीएमएसएमए की विस्तृत योजना तैयार की गई थी, जिसमें मितानिनों की मदद से संभावित एच आर पी केसों की पहचान की गई और उन्हें केंद्र तक लाया गया।

उल्लेखनीय है कि कोरिया जिले में सोनोग्राफी की सुविधा जिला चिकित्सालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत में निःशुल्क उपलब्ध है। अभियान के तहत सभी गर्भवती महिलाओं की एच बी, बीपी, शुगर, वजन, टीकाकरण आदि की जाँच की गई। इस सफल आयोजन से जिले में मातृ मृत्यु दर में कमी लाने और सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस कदम बढ़ाया गया है।

जिला स्थापना दिवस विशेष लेख

25 बरस की छत्तीसगढ़ और 27 वर्ष की कोरिया

सादगी, संघर्ष और सपनों का नाम है कोरिया

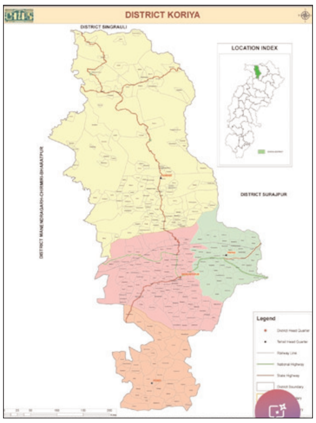

कोरिया बैकुंठपुर। 'कोई इलाका सिर्फ नक्शे में नहीं बनता, वो बनता है लोगों की उम्मीदों, संघर्षों और संस्कारों से... कोरिया इसका जीता-जागता उदाहरण है।' २५ मई को कोरिया जिला अपनी स्थापना की २७वीं वर्षगांठ मना रहा है। यह कोई साधारण दिन नहीं, बल्कि वो पल है जब हर कोरियावासी को अपने इतिहास, अपनी मिट्टी और अपने भविष्य पर गर्व करने का अवसर मिलता है।

१९९८ में जब कोरिया को सरगुजा से अलग कर एक स्वतंत्र जिला बनाया गया, तब किसी ने नहीं सोचा था कि ये शांत इलाका आने वाले समय में छत्तीसगढ़ की पहचान और आत्मा का हिस्सा बन जाएगा और हुआ भी वही। दो साल बाद जब छत्तीसगढ़ राज्य बना, तब कोरिया उसमें अपनी संस्कृति, सादगी और संकल्प के साथ शामिल हुआ।

घने जंगलों, पहाड़ों, नदियों और आदिवासी विरासत से सजा कोरिया, केवल एक जिला नहीं बल्कि प्रकृति और परंपरा का अनोखा संगम है। यहाँ की हवाओं में अपनापन है, मिट्टी में मेहनत की खुशबू है और लोगों की आँखों में आगे बढ़ने का सपना है। सांख्यिकी कुछ भी कहे, कोरिया की असली पहचान उसके लोग हैं, जो सीमित संसाधनों के बीच भी शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में अद्भुत कार्य कर रहे हैं। यहाँ की महिलाएँ महुआ चुनती हैं, पुरुष जंगल में पगडंडियाँ बनाते हैं और बच्चे किताबों से भविष्य गढ़ते हैं।

कोरिया रियासत की ऐतिहासिक छाया में पला यह जिला, आज आत्मनिर्भरता की ओर दृढ़ कदमों से बढ़ रहा है। बैकुण्ठपुर, शिवपुर-चरचा और सोनहत जैसे क्षेत्रों में विकास की रोशनी पहुँच रही है और सांस्कृतिक विविधता के साथ जीवन की सादगी यहाँ के हर चेहरे पर मुस्कान बनकर झलक रही है।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच, प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सुशासन और जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी और उनकी टीम विकास की रेखाओं को नए आयाम दे रही है, तो यह साफ दिखता है कि कोरिया अब सिर्फ पहाड़ों में बसा पिछड़ा इलाका नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के दिल की धड़कन बन चुका है।

२७ साल की यह यात्रा आँकड़ों की नहीं, आस्था की कहानी है। यह कहानी है उस मिट्टी की, जिसने संघर्ष देखा, लेकिन सपनों से कभी मुँह नहीं मोड़ा।

कोरिया आज कह रहा है,

'मैं समय के साथ चला, लेकिन अपनी जड़ों को थामे रखा।

मैंने पहाड़ देखे, लेकिन उड़ना नहीं छोड़ा। सुकून और सादगी से पूर्ण कोरिया हूँ..!

(विजय मानिकपुरी)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202505330400017

मामले की श्रेणी:- राजस्व

विषय- अ-6 अ, सन- 24-2025

चनवारीडांड (प.ह.नं. 00013)

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - रामचरण सिंह,

अनावेदक पक्षकार -

//ईश्तहार//

आवेदक रामचरण सिंह आ. स्व. पूरन सिंह निवासी ग्राम चनवारीडांड प.ह.नं. 13 तहसील-मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.) पर मेरे भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नम्बर 238/4 व रकबा 0.3400 हेक्टर भूमि है, जो भूमि मैंने रामबाई पुत्री जयकरन निवासी चनवारीडांड से उप पंजीयक कार्यालय मनेन्द्रगढ़ में दिनांक 21/01/2002 विक्रय पत्र के माध्यम से पंजीयन कराया था। जो कि उक्त भूमि नामांतरण होने के बाद मेरे हक व खाते में आई है, जिस पर मैं आज भी काबिज है व मेरे हक व अधिकार में है। उक्त भूमि के ऑन लाईन रिकार्ड में नक्शा त्रुटिवश व भूलवश गलत कट गया है जो कि उक्त भूमि के नक्शा को रजिस्ट्री में लगे नक्शे के आधार पर सुधार करने के लिए आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त वर्णित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना है, तो दिनांक 06/06/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19/05/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मनेन्द्रगढ़
जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

क्रिकेट टूनार्मेंट के दौरान पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल पालिका अध्यक्ष अरुण जायसवाल की

अतिथियों, खिलाड़ियों व दर्शकों को भेंट किए पौधे..

कोरिया चरचा कालरी -नगर पालिका शिवपुर चर्चा के पदाधिकारी के द्वारा स्थानीय श्रमवीर स्टेडियम में आयोजित प्रेसिडेंट कप चर्चा प्रीमियर लीग' डे-नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट के दौरान पर्यावरण संरक्षण व पर्यावरण जागरूकता की सराहनीय पहल पालिका अध्यक्ष अरुण जायसवाल के द्वारा किया गया, क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमी फाइनल मैच के दौरान पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने की एक अनूठी पहल करते हुए पालिका अध्यक्ष द्वारा अतिथियों ,खिलाड़ियों ,खेल प्रेमियों एवं दर्शकों को सम्मान स्वरूप सौ फलदार पौधे दिए गए इस अवसर पर अध्यक्ष अरुण जायसवाल ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को हरिहर प्रदेश बनाना है इस क्रम में हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम सभी ज्यादा से ज्यादा संख्या में पौधे लगाए और उनका संरक्षण भी करें ॠपर्यावरण की सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि हर नागरिक सिर्फ तीन पौधे लगाए और उन्हें जीवित रखे, तो हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हराभरा और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि लोग न केवल स्वयं पौधे लगाएं, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी प्रेरित करें ताकि यह अभियान जन-आंदोलन का रूप ले सके।खेल और समाज सेवा का मेल बहुत ही प्रेरणादायक हो सकता है। जैसे मैदान में टीम भावना जरूरी है, वैसे ही समाज में भी एकजुट होकर हमें प्रकृति की रक्षा करनी होगी।

प्रतियोगिता का प्रथम सेमीफाइनल मैच वार्ड क्रमांक वार्ड क्रमांक १५ के बीच बहुत ही रोमांचक प्रवाह संघर्षपूर्ण मैच खेला गया निर्धारित १५ ओवर में वार्ड क्रमांक ८ की टीम ने ११६ रन बनाए इसके पश्चात वार्ड क्रमांक १५ की टीम के खिलाड़ी संस्कार शर्मा ने धमाकेदार खेल का प्रदर्शन करते हुए छह छक्के वह पांच चौक पांच चौका लगाते हुए अपने टीम के लिए शानदार ६४ रनों का याद योगदान दिया वार्ड क्रमांक १५ की टीम ने ११७ रन बनाकर यह मैच छह विकट से जीता इस मैच के मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार संस्कार शर्मा को दिया गया , मैच के निर्णायक मेहताब और पुरन रहे सेमी फाइनल मैच में मुख्य अतिथि हेमसागर यादव , नीरज गुप्ता, धर्मेंद्र सिंह प्रकाश शर्मा, अंकित अग्रवाल ,पार्षद संजय देवांगन, कुंडल सायं, बद्री प्रसाद ,रामाधार सहित काफी संख्या मेखेल प्रेमी दर्शक उपस्थित थे। इस आयोजन में खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शकों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और पौधारोपण की इस पहल की सराहना की। टूनार्मेंट के आयोजकों ने भी इसे एक उदाहरण बताते हुए भविष्य के आयोजनों में इस तरह की समाजिक गतिविधियों को शामिल करने की प्रतिबद्धता जताई।पर्यावरण के संरक्षण और खेल भावना के संगम ने इस टूनार्मेंट को एक यादगार सामाजिक संदेश के साथ नया आयाम प्रदान किया।

भारत गौरव डीलक्स एसी ट्रेन से भारत-भूटान मिस्टिक माउंटेन टूर करने का अवसर

बिश्रामपुर - भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से भारत-भूटान मिस्टिक माउंटेन टूर की एक अनोखी और अविस्मरणीय यात्रा २८ जून २०२५ से प्रारंभ हो रही है। यह विशेष यात्रा दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी और पूर्वोत्तर भारत की आध्यात्मिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को समेटते हुए भूटान के शांत और सुरम्य स्थलों तक यात्रियों को लेकर जाएगी।

इस यात्रा का पहला पड़ाव गुवाहाटी होगा, जहाँ यात्री नीलाचल पहाड़ियों में स्थित प्राचीन और पवित्र कामाख्या मंदिर के दर्शन करेंगे। यह मंदिर भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है और देवी उपासकों के लिए श्रद्धा का केंद्र है। गुवाहाटी से आगे यात्रा शिलांग की ओर बढ़ेगी, जिसे च्पूर्व का स्कॉटलैंडज कहा जाता है। यहाँ यात्री प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता का आनंद लेंगे। इसके बाद चेरापूंजी की एक दिवसीय यात्रा कराई जाएगी, जहाँ च्सेवन सिस्टर्स जलप्रपातज, नोहकलिकाई फॉल्स और एलिफेंट फॉल्सज जैसे विख्यात प्राकृतिक स्थल यात्रियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसके बाद समूह शिलांग वापस लौटेगा।

इसके बाद यात्रा अपने अंतरराष्ट्रीय चरण में प्रवेश करेगी। पश्चिम बंगाल के हासीमारा रेलवे स्टेशन पर उतरने के पश्चात यात्री सड़क मार्ग द्वारा भूटान में प्रवेश करेंगे, जहाँ वे फुंटशोलिंग के रास्ते थिंपू पहुँचेंगे। थिंपू पहुँचने के बाद यात्रियों को आसपास के वातावरण को जानने और स्थानीय संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिलेगा, रात्रि विश्राम की व्यवस्था वहीं होगी।

थिंपू में स्थानीय महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण कराया जाएगा, जिसमें मोतीथांग चिड़ियाघर, नेशनल लाइब्रेरी, पारंपरिक चित्रकला विद्यालय, हस्तशिल्प बाजार और भव्य चोए द्ज़ोंग जैसे स्थल शामिल हैं। इसके बाद यात्रा हिमालय की बर्फीली चोटियों से होते हुए ऐतिहासिक दोचू ला दर्रा के माध्यम से पुनाखा की ओर बढ़ेगी। पुनाखा में यात्री प्रसिद्ध पुनाखा द्ज़ोंग देखेंगे, जो फो चू (पुरुष नदी) और मो चू (स्त्री नदी) के संगम पर स्थित है और भूटान के सबसे सुंदर व विशाल द्ज़ोंग में से एक माना जाता है।

भूटान यात्रा का अंतिम चरण पारो में सम्पन्न होगा, जो अपनी सीढ़ीनुमा धान के खेतों, पारंपरिक फार्महाउसों और गहन आध्यात्मिक वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। पारो में यात्रा के दौरान यात्रियों को लामपेरी रॉयल बॉटनिकल पार्क, भूटान की यूनेस्को टेंटेटिव सूची में शामिल तामचोग ल्हाखांग आयरन ब्रिज, विश्वप्रसिद्ध टाइगर्स नेस्ट मठ (तकत्संग ल्हाखांग) और भूटान का राष्ट्रीय संग्रहालय देखने को मिलेगा, जो इस हिमालयी राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक प्रदान करता है। यात्रा को और अधिक यादगार बनाने के लिए यात्रियों को भूटान के राष्ट्रीय खेल तीरंदाजी (आर्चरी) का अनुभव कराया जाएगा, साथ ही पारंपरिक हॉट स्टोन बाथ में विश्राम की सुविधा भी दी जाएगी। इसके पश्चात समूह भूटान से विदा लेकर भारत लौटेगा और अगले दिन दिल्ली पहुँचेगा।

शहद बड़ा ही गुणकारी है इसका बहुत महत्व है

रायपुर। कचहरी चौक स्थित बाल आश्रम में विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन खादी और ग्रामोद्योग आयोग राज्य कार्यालय रायपुर की ओर से आयोजित किया गया। इस अवसर पर खादी ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक डॉ कुलदीप वर्मा, छत्तीसगढ खादी ग्रामोद्योग सस्था संघ रायपुर के अध्यक्ष श्री अजय तिवारी, श्री हरिवल्लभ अग्रवाल, श्री अब्दुल अबिद एजाज, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अधिकारी श्री लक्ष्मण राउत, श्री अनुप श्रीवास्तव, श्री अरूण मालखेडे तथ कर्मचारी श्री जी पेदु नायक श्री अभिनव झाडे, श्री राजकुमार राही आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान संस्था में निवासरत बालकों को शहद के उत्पादन तथा मधुमक्खी के पालन को लेकर एक डाक्यूमेंटी दिखाई गई साथ ही आज विश्व मधुमक्खी दिवस होने के कारण मुबई में आयोजित हो रहे कार्यकम को विडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से दिखाया गया इसके साथ ही बच्चों को शहद गुणकारी होने तथा इसके फायदे के बारे में ढेर सारी जानकारी बच्चों को दी गई इसके अलावा बच्चों को यह भी बताया गया कि आज के दिन का क्या महत्व है।

मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए मोबाइल जमा करने की सुविधा प्रदान करेगा निर्वाचन आयोग

प्रचार नियमों का सरलीकरण

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने और मतदान दिवस की व्यवस्थाओं को सरल बनाने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग ने 2 और व्यापक निर्देश जारी किए हैं। इनमें मतदान केंद्रों के बाहर मोबाइल जमा सुविधा प्रदान करना और प्रचार नियमों का सरलीकरण शामिल है। ये निर्देश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और निर्वाचन संचालन नियम, 1961 के संबंधित प्रावधानों के अनुरूप है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग और मतदाताओं विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को मतदान दिवस पर मोबाइल फोन संभालने में होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, आयोग ने मतदान केंद्रों के ठीक बाहर मोबाइल जमा सुविधा की अनुमति देने का निर्णय लिया है।

मतदान केंद्र से 100 मीटर की परिधि के भीतर केवल बंद (स्विच ऑफ) स्थिति में मोबाइल फोन रखने की अनुमति होगी। मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार के पास साधारण पिजनहोल बॉक्स या जूट बैग रखे जाएंगे, जिनमें मतदाताओं को अपने मोबाइल फोन जमा करने होंगे। मोबाइल फोन मतदान केंद्र के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, कुछ मतदान केंद्रों को स्थानीय प्रतिकूल परिस्थितियों के आधार पर रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा इस प्रावधान से छूट दी जा सकती है। मतदान केंद्र के भीतर मतदाता की गोपनीयता सुनिश्चित करने वाला निर्वाचन संचालन नियम 49 एम सख्ती से लागू रहेगा।

इसके अतिरिक्त, मतदान दिवस पर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आयोग ने प्रचार की अनुमति सीमा को निर्वाचन कानूनों के अनुरूप मतदान केंद्र से 100 मीटर की दूरी तक सीमित कर दिया है। मतदान दिवस पर मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में चुनाव प्रचार की अनुमति नहीं होगी। अतः मतदान दिवस पर उम्मीदवारों द्वारा मतदान दिवस पर ऐसे बूथ, जिनसे वे आधिकारिक मतदाता सूचना पर्ची न होने की स्थिति में अनौपचारिक पहचान पर्ची वितरित करते हैं, अब मतदान केंद्र से 100 मीटर की दूरी के बाहर लगाए जा सकेंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्तगण डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग विधिक ढांचे के अनुसार निष्पक्ष निर्वाचन कराने के लिए प्रतिबद्ध है और साथ ही मतदाताओं के लिए सुविधाएं बढ़ाने हेतु लगातार नवाचार करता रहेगा।

तहसीलदार की मौजूदगी में शासकीय भूमि अतिक्रमण पर की कार्यवाही

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिला अंतर्गत ग्राम कंचनपुर में अतिक्रमण पर राजस्व विभाग की टीम ने कार्यवाही करते हुए निर्माणधिन आवास को धराशाही किया गया है आपको बता दे पूर्व में स्थानीय ग्रामीण व पंचायत के सरपंच, सचिव द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत राजस्व न्यायालय में की गई थी जिसके बाद अधिकारी के आदेश का परिपालन करते हुए हल्का पटवारी संजय सूर्यवंशी द्वारा मौका पर पहुंच कर जांच कर प्रतिवेदन तैयार कर तहसीलदार को सौंपा गया था जिसके बाद अनावेदक को तहसील कार्यालय से नोटिस जारी कर मकान निर्माण रोके व खाली किए जाने को कहा गया था जिसके बाद भी अधिकतम समय सीमा पर शासकीय भूमि पर निर्माण कार्य जारी रखा गया था जिस पर राजस्व विभाग की टीम व पुलिस प्रशासन द्वारा कार्यवाही करते हुए मकान धराशाही किया गया। जिसमें बैकुंठपुर तहसीलदार अमृता सिंह, नायब तहसील, आर आई पटवारी सहित जिला प्रशासन की टीम की मौजूदगी में कार्यवाही की गई।

Sports Live

टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान की हुई घोषणा, शुभमन गिल बना रोहित शर्मा का उत्तराधिकारी?

मुंबई ,24 मई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल ने इंतजार को खत्म करते हुए भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के नए टेस्ट कप्तान के नाम का ऐलान कर दिया है. बीसीसीआई ने स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल को पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का उत्तराधिकारी नियुक्त किया है. आज से भारतीय टेस्ट क्रिकेट में गिल युग की शुरूआत हो गई है. युवा कप्तान के सामने अपने पहले ही दौरे पर इंग्लैंड की चुनौती होगी. नए कप्तान के सामने इंग्लैंड की कठिन परिस्थितियों में शानदार रिजल्ट हासिल करने का दबाव भी होगा.

हैदराबाद ने बेंगलुरू को 42 रनों से हराया, ईशान ने खेली तूफानी पारी, कमिंस ने चटकाए 3 विकेट

लखनऊ,24 मई। सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के 64वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 42 रनों से हरा दिया है. इस मैच में हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर हैदराबाद ने 231 रन बनाए. बेंगलुरु की टीम 19.5 ओवर में 189 रनों पर ढेर हो गई और 42 रनों से मैच गंवा बैठी.

हैदराबाद से जीत के लिए मिले 232 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए आरसीबी की ओर से विराट कोहली और फिट साल्ट आए. कोहली ने 25 बॉल पर 7 चौके और 1 छक्के के साथ 43 रनों की पारी खेली. तो वहीं साल्ट ने 32 बॉल पर 4 चौके और 5 छक्कों की मदद से 62 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली. इन दोनों के अलावा बाकी कोई अन्य बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाया और टीम को हार का सामना करना पड़ गया. हैदराबाद के लिए पैट कमिंस ने 3 और ईशान मलिंगा ने 2 विकेट चटकाए.

इससे पहले हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्टार बल्लेबाज ईशान किशन तूफानी पारी के चलते विशाल स्कोर खड़ा किया. ईशान ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए धमाल मचा दिया. वो अपना अर्धशतक पूरा करने से सिर्फ 6 रनों से रह गए. उन्होंने आरसीबी के गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए 48 बॉल में 94 रनों की नाबाद पारी खेली और 7 चौके और 5 छक्के लगाए.

ईशान के अलावा अभिषेक शर्मा ने 34, ट्रेविस हेड ने 17, हेनरिक क्लासेन ने 24 और अनिकेत वर्मा ने 26 रनों का योगदान दिया. आरसीबी की ओर से रोमारियो शेफर्ड ने 2 विकेट लिए जबकि भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, क्रुणाल पांड्या और लुंगी एनगिडी को 1-1 विकेट मिला.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगा बड़ा झटका, कप्तान रजत पाटीदार पर लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली,24 मई। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का 65वां मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया. प्वॉइंट्स टेबल में शीर्ष-2 में रहने के लिए आरसीबी के लिए यह मैच जीतना काफी अहम था. लेकिन, उसे 42 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा. इस हार के बाद आरसीबी को एक और बड़ा झटका तब लगा जब कप्तान पर भारी जुर्माना लगा दिया गया.

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शुक्रवार को खेले गए इस मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर भारी जुमार्ना लगाया है. क्योंकि उन्हें आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया. एसआरएच के खिलाफ मैच में रजत पाटीदार इंपैक्ट प्लेयर के रूप में खेले और उनकी जगह जितेश शर्मा ने टीम की कमान संभाली. हालांकि, पाटीदार पर जुमार्ना लगाया गया है क्योंकि वह इस सीजन में आरसीबी के नियमित कप्तान हैं.

पाटीदार पर उनकी टीम द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के बाद जुमार्ना लगाया गया है. आईपीएल की एक आधिकारिक मीडिया रिलीज में कहा गया है, यह देखते हुए कि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित उनकी टीम का सीजन का दूसरा अपराध था, पाटीदार पर 24 लाख रुपये का भारी भरकम जुमार्ना लगाया गया है.

इसमें लिखा गया है, इसके अलावा इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग-11 के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 6 लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, का जुमार्ना लगाया गया है.

वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर भी जुमार्ना लगाया गया है. उनकी टीम को भी धीमी ओवर-रेट बनाए रखने का दोषी पाया गया. जिसके लिए उन पर 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है. एसआरएच को लेकर इस मीडिया रिलीज में कहा गया है कि, चूंकि यह आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है.

नीरज चोपड़ा ने पौलेंड में लहराया तिरंगा, दोहा डायमंड लीग में जीता सिल्वर मेडल

चोरजोव (पोलैंड),24 मई। भारत के डबल ओलंपिक मेडलिस्ट और गोल्डन बॉय नाम से देश-भर में मशहूर नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को यहां जनुश कुसोसिन्स्की मेमोरियल मीट में पुरुषों के जैवलिन थ्रो में दूसरा स्थान हासिल किया. नीरज ने इस सीजन का अपना तीसरा पदक जीता, लेकिन वह दोहा डायमंड लीग में अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दोहरा नहीं पाए, जिसमें भी उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा था. भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर पूरे इवेंट में संघर्ष करते रहे और कई बार फाउल थ्रो दर्ज किए. हालांकि, छठे राउंड में 84.14 मीटर का उनका प्रयास रात का उनका सबसे बड़ा प्रयास साबित हुआ. 84 मीटर का आंकड़ा पार करने के बावजूद चोपड़ा छह राउंड के बाद पहले स्थान पर आने में विफल रहे. जर्मनी के स्टार खिलाड़ी जूलियन वेबर ने 86.12 मीटर के थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल करते हुए गोल्ड मेडल पर अपना कब्जा जमाया. वहीं, अपने छठे और अंतिम प्रयास में 84.14 मीटर थ्रो करते हुए चोपड़ा ने ग्रेनेडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 83.24 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय की और ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया. 27 वर्षीय चोपड़ा, जिन्होंने पिछले सप्ताह दोहा में पहली बार 90 मीटर के निशान को पार किया था, इस इवेंट में अपनी लय में नहीं आ पाए. पहले फाउल थ्रो के बाद, स्टार भारतीय एथलीट ने 81.28 मीटर का दूसरा थ्रो किया. 27 वर्षीय खिलाड़ी अपने प्रयास के बाद खुश नहीं थे. इसके अलावा, चोपड़ा के लिए हालात बेहतर नहीं रहे क्योंकि उन्हें अपने तीसरे और चौथे थ्रो में भी फाउल मिला. वहीं, जर्मनी के जूलियन वेबर ने अपनी मजबूत फॉर्म जारी रखी और एक बार फिर चोपड़ा को पछाड़ते हुए 86.12 मीटर की विजयी थ्रो के साथ नंबर-1 स्थान हासिल किया. वेबर ने दोहा में भी 91.06 मीटर तक भाला फेंककर गोल्ड मेडल जीता था, जो उनके करियर में पहली बार 90 मीटर के आंकड़े को पार करने का मौका भी था.

छोटी खबरें

6,6,6,6,4,6,6,6... कैरेबियाई बल्लेबाज मैथ्यू फोर्ड ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

0-मात्र 16 गेंदों में ठोक डाले 50 रन

नई दिल्ली,24 मई। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज मैथ्यू फोर्ड ने डलबिन के द विलेज ग्राउंड पर आयरलैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए दूसरे वनडे मैच में एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में सबसे तेज अर्धशतक के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है. दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ 16 गेंदों पर 50 रन बनाए थे. अब मैथ्यू फोर्ड भी इस रिकॉर्ड की बराबरी कर चुके हैं. उन्होंने भी 16 गेंदों में यह कारनामा कर लिया है.

इस सीरीज का पहला मैच हारने के बाद निर्णायक मुकाबले में उतरी वेस्टइंडीज ने शुरू से ही आक्रामक बल्लेबाजी की. तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे केसी कार्टी ने शतक बनाकर टीम को मजबूत शुरूआत दी. शाई होप ने भी 49 रन बनाए. हालांकि आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले मैथ्यू फोर्ड ने पहली ही गेंद से आयरिश गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करके नया विश्व रिकॉर्ड बनाया.

उन्होंने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए मात्र 16 गेंदों पर 8 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 50 रन बनाए. इसके साथ ही उन्होंने वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है. इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने 16 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था. अब वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है.

तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में मेजबान आयरलैंड ने वेस्टइंडीज को 140 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है. सीरीज को जिंदा रखने के लिए इस करो या मरो वाले मैच में वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर खड़ा किया है. केसी कार्टी के अलावा बल्लेबाज शाई होप, रोस्टन चेस और मैथ्यू फोर्ड की उपयोगी पारियों की बदौलत कैरेबियाई टीम ने 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 352 रन बनाए.

आईपीएल में पंजाब और दिल्ली का मुकाबला

जयपुर,24 मई। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 66वें मैच में आज पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीमें एक-दूसरे से भिड़ेंगी. दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला शाम 7:30 बजे से सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में खेला जाएगा. दिल्ली की टीम पहले ही आईपीएल 2025 प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है. वहीं, पंजाब की टीम ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है. हालांकि, पंजाब किंग्स की टीम प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष 2 में बने रहने के लिए आज के मैच में जीत दर्ज करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी.अक्षर पटेल की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने आईपीएल 2025 के पहले हाफ में प्रभावशाली प्रदर्शन किया लेकिन दूसरे हाफ में वह जीत की पटरी से उतर गई और उसने लगातार कई मैच गंवाए. 13 मैचों में सिर्फ 6 मैच जीतकर 13 प्वाइंट्स हासिल करने वाली डीसी शीर्ष-4 में जगह बनाने से चूक गई है. आज पंजाब के खिलाफ इस सीजन के अपने आखिरी मैच में दिल्ली की टीम जीत दर्ज कर अपने फैंस को खुश होने का मौका देना चाहेगी. दिल्ली के लिए खोने के लिए कुछ नहीं है ऐसे में सभी खिलाड़ी बिना किसी दबाव के अपने स्वाभाविक खेल दिखा सकते हैं.

वहीं, पंजाब किंग्स की टीम के लिए प्लेऑफ के लिहाज से यह मुकाबला काफी अहम है. पंजाब की टीम दिल्ली के खिलाफ आज खेले जाने वाले मैच को जीतकर प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष-2 में बने रहना चाहेगी. बता दें कि, अंक तालिका में शीर्ष-2 स्थानों वाली टीमों को फाइनल में पहुंचने के लिए 2 मौके मिलेंगे.

---------------------------- व्यापार/फिल्म ----------------------------

भारत की जीडीपी विकास दर चौथी तिमाही में 6.8 प्रतिशत रहेगी, खपत में होगा सुधार

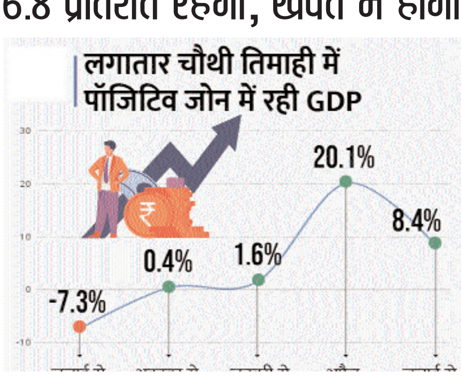

नई दिल्ली ,24 मई। भारत की जीडीपी विकास दर वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वृद्धि दर के उच्च स्तर पर रहने की वजह कृषि, होटल, ट्रांसपोर्ट और कंस्ट्रक्शन सेक्टर का मजबूत रहना है। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में बताया गया कि अधिक ग्रामीण मांग के कारण कुल खपत मजबूत रही है। हालांकि, शहरी मांग का आउटलुक मिश्रित बना हुआ है और इसे मॉनिटर किया जाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया, केंद्र सरकार की ओर से अधिक पूंजीगत खर्च के कारण चौथी तिमाही में इंवेस्टमेंट ग्रोथ को सहारा मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक,आय में कमी, रेपो रेट में गिरावट, महंगाई दर के कम होने और अच्छे मानूसन की संभावना से ग्रामीण मांग में रिकवरी आ रही और आर्थिक गतिविधियों में सुधार हो रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि कॉर्पोरेट पूंजीगत व्यय में वृद्धि के लिए खपत में निरंतर सुधार महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, वैश्विक अनिश्चितताएं बाधा उत्पन्न करती हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि हमें वित्त वर्ष 26 में जीडीपी वृद्धि 6.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।कृषि गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं, रबी में खाद्यान्न की बुवाई पिछले साल के स्तर से 2 प्रतिशत अधिक रही है। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में घरेलू ट्रैक्टर की बिक्री में 23.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो तीसरी तिमाही में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि से बेहतर है।

इसके अतिरिक्त जनवरी-फरवरी 2025 में उर्वरक की बिक्री में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो कि वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। घरेलू हवाई यात्री यातायात में वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो कि तीसरी तिमाही में 11.4 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। आईआईपी खनन में वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 2.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो कि तीसरी तिमाही में 1.8 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। रिपोर्ट में बताया गया,हालांकि जनवरी-फरवरी 2025 में केंद्रीय पूंजीगत व्यय में 4 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के अंत में मजबूत खर्च से चौथी तिमाही में निर्माण गतिविधि को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

अब पीएफ का पैसा ट्रांसफर करना हो गया आसान, ईपीएफओ ने बदल दिया ये नियम

नई दिल्ली ,24 मई। नौकरीपेशा लोगों के लिए अब पीएफ का पैसा ट्रांसफर करवाना और भी आसान हो गया है। सर्विस पीरियड में ओवरलैप की वजह से पीएफ ट्रांसफर का क्लेम रिजेक्ट नहीं किया जाएगा। जब भी आप नौकरी बदलते हैं, तो वो अपने पुराने एंप्लॉयर के ईपीएफ खाते से नए एंप्लॉयर के ईपीएफ अकाउंट में बैलेंस ट्रांसफर कर सकता है। इसी को ट्रांसफर क्लेम कहते हैं। लेकिन इसमें कई बार ऐसा होता है कि पुराने और नए एंप्लॉयर की सर्विस डेट्स ओवरलैप हो जाती है।जिसके कारण ट्रांसफर क्लेम को रिजेक्ट कर दिया जाता है। इसको लेकर ईपीएफओ ने अब साफ किया है कि अब ट्रांसफर क्लेम को सिर्फ इसलिए रिजेक्ट नहीं किया जाएगा क्योंकि दो कंपनियों की सर्विस डेट्स में ओवरलैप है। जारी किए गए नए सर्कुलर के मुताबिक, अगर किसी ट्रांसफर क्लेम में ओवरलैपिंग डेट्स मिलती हैं तो इसका मतलब हुआ कि क्षेत्रीय ऑफिस को उस क्लेम को रिजेक्ट नहीं करना है। आपको तब ही सफाई देनी होगी जब असल में ऐसा करने की जरूरत हो।इसके लिए ट्रांसफर ऑफिस को ये जिम्मेदारी दी गई है वो बिना क्लेम को लौटाए या फिर रिजेक्ट किए, प्रोसेस को आगे बढ़ाएं और केवल जरूरी मामलों में ही जवाब दें।

सोने की कीमत गिरी, चांदी में आई तेजी

नई दिल्ली ,24 मई। सोने और चांदी की कीमत में शुक्रवार को उतार-चढ़ाव देखने को मिली।एक तरफ सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई है तो दूसरी तरफ चांदी के दाम में तेजी दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का भाव 45 रुपए कम होकर 95,471 रुपए हो गया है। इससे पहले 24 कैरेट के सोने की कीमत 95,516 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 22 कैरेट सोने का भाव कम होकर 87,451 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 87,493 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 71,603 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 71,637 रुपए थी।

सोने के उलट चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 390 रुपए बढ़कर 96,909 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 96,519 रुपए प्रति किलो था। वायदा बाजार में भी सोने और चांदी ने विपरीत रुझान दिखाया। सोने के 5 जून 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.59 प्रतिशत बढ़कर 96,100 रुपए हो गई है। चांदी के 4 जुलाई 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.60 प्रतिशत कम होकर 97,212 रुपए हो गई है। कामा ज्वेलरी के एमडी कॉलिन शाह ने कहा,इस सप्ताह कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के कारण बुलियन बाजार का प्रदर्शन अस्थिर रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतों में सप्ताह के दौरान मजबूत उछाल आया और शुक्रवार की सुबह तक यह लगभग 3 प्रतिशत बढ़कर 3,303.92 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इसका कारण डॉलर का कमजोर होना है, जिसमें इस सप्ताह 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई, इसकी वजह अमेरिका के राजकोषीय परिदृश्य के बारे में निवेशकों की बढ़ती चिंताएं भी हैं। उन्होंने आगे कहा कि घरेलू बाजार में हफ्ते के दौरान सोने की कीमतें 93,000 रुपए से लेकर 96,000 रुपए प्रति 10 ग्राम की रेंज में रही। इसका कारण अंतरराष्ट्रीय कारकों का प्रभाव था, जिससे घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में तेजी आई।

यमुना नदी में कान्हा ने फूलों की पँखडियों के बीच किया नौका

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन रायपुर जिला इकाई की महिला मण्डल की लगभग 150 महिला सदस्यो ने स्वर्ण भूमि में बने यमुना नदी में कान्हा जी का फूलों की पँखडियों के बीच नौका कराया। इस दौरान महिलाओं ने अपने कान्हा जी को विशेष रूप से श्रृंगार करके ले कर आए थे। यनुमा नदी को पूरे वृंदावन की तरह सजाया गया था और सेल्फी कॉर्नर भी बनाया गया था जहां पर महिलाओं ने अपने-अपने कान्हा जी के साथ सेल्फी लिया और इसके बाद कान्हा जी को नौका में बिठाकर नौका विहार कराया। इस अवसर पर कार्यक्रम संगठन की संरक्षिका अनीता अग्रवाल, धार्मिक आयोग की संयोजिका हेमलता बंसल, रायपुर के जिला अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संतोष धनोदिया, सचिव सारिका खेतान, प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल, सदस्य सीता अग्रवाल,पदमा अग्रवाल,नीतू धनोदिया, पिंकी धनोदिया, अंकिता अग्रवाल के साथ अन्य महिला सदस्य उपस्थित थी। उक्ताशय की जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल ने दी।

न्यूज गैलरी

राजधानी में मिला कोरोना का पहला मरीज, इलाज जारी

रायपुर। देश के कई इलाकों में कोविड-19 के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है, इसी बीच राजधानी रायपुर में भी कोरोना संक्रमित एक मरीज को चिन्हित किया गया है जिसका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। कोरोना कंट्रोल एवं डिमांड सेंटर के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. खेमराज सोनवानी ने इसकी पुष्टि की है। संक्रमित मरीज को एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है, जहाँ उसका इलाज कोरोना प्रोटोकॉल के तहत किया जा रहा है। मरीज को सिंगल वार्ड में रखा गया है और इलाज की अलग से विशेष व्यवस्था की गई है। बताया जा रहा है कि लक्ष्मीनगर, पचपेड़ी नाका निवासी यह व्यक्ति सर्दी-खाँसी के रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल पहुँचा था। लक्षणों के आधार पर डॉक्टरों को कोरोना की आशंका हुई, जिसके बाद उसका सैंपल लिया गया। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद तुरंत उसे आइसोलेट कर इलाज शुरू कर दिया गया। अस्पताल प्रबंधन ने भी मरीज के संक्रमित होने की पुष्टि की है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मरीज के परिजनों का सैंपल लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही, हाल के दिनों में मरीज के संपर्क में आए लोगों की ट्रैकिंग और स्क्रीनिंग की जा रही है।

समाजसेवी रामजी लाल अग्रवाल का निधन

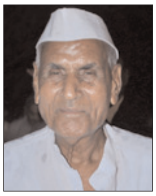

रायपुर। वरिष्ठ समाजसेवी गौसेवक श्री रामजी लाल अग्रवाल का शनिवार सुबह 96 वर्ष की आयु में दुखद निधन हो गया है। वे पूर्व मंत्री व रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के पिता थे। उनकी अंतिम यात्रा 25 मई रविवार को सुबह 10 बजे रामजी वाटिका मौलश्री विहार, वीआईपी रोड, रायपुर से निकलेगी। अंतिम संस्कार मारवाड़ी शमशान घाट में होगा। स्वर्गीय रामजीलाल अग्रवाल अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय संरक्षक एवं वरिष्ठ समाजसेवी थे। वे सावित्री देवी अग्रवाल, गोपालकृष्ण अग्रवाल, सांसद एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, अग्रवाल सभा रायपुर के अध्यक्ष विजय अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, यशवंत अग्रवाल के पिता, विष्णु अग्रवाल के भाई, पूरनलाल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, के चाचा, एवं देवेंद्र अग्रवाल, गणेश अग्रवाल के ताऊजी थे।

आईपीएस कैडर में 11 पदों की हुई बढ़ोतरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ को केंद्र सरकार की ओर से एक बड़ा प्रशासनिक तोहफा मिला है जिसमें आईपीएस कैडर के 11 पदों की बढ़ोतरी की गई है। इस मिलाकर अब 142 से बढ़कर आईपीएस कैडर की संख्या 153 हो गई है। यह जानकारी 21 मई को भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई है। इस फैसले से जहां राज्य की कानून व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, वहीं राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को भी प्रमोशन का रास्ता खुलेगा।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ गठन के बाद अब तक तीन बार कैडर रिवीजन किया गया है। पहला रिवीजन 30 जनवरी 2004 को हुआ था, जिसमें 81 पद स्वीकृत किए गए थे। दूसरा रिवीजन 2010 में हुआ और तीसरा 2017 में, जिसमें कैडर की संख्या 142 हो गई थी। अब चौथी बार हुए इस कैडर विस्तार से नए जिलों में बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित की जा सकेगी।

ब्राम्हण पारा में पेयजल की समस्या, सुयश के नेतृत्व में नगर निगम कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। ब्राह्मण पारा वार्ड में लंबे समय से पेयजल की समस्या को लेकर कांग्रेस के वार्ड अध्यक्ष सुयश शर्मा के नेतृत्व में मोहल्लेवासियो ने निगम कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा। सुयश शर्मा ने बताया कि वार्ड के यादव पारा क्षेत्र, धोबीपारा, आमापार, सतबहिनीया माता मंदिर का क्षेत्र पंचपथ पारा समेत वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों में पेयजल की गंभीर समस्या है। निगम के इंजीनियर एव अधिकारियो को इसकी दी जा रही थी लेकिन किसी भी प्रकार का निराकरण नहीं हो पा रहा था जिसके बाद आज वार्डवासीयो के साथ नगर निगम कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा गया है। कमीशनर की तर$फ से आश्वाशन दिया गया है कि 3 से 4 दिन का भीतर समस्या का निराकरण कर लिया जाएगा एव पंचपथ पारा के पास नये 300 मीटर का पाइप लाइन डाला जाएगा।

अम्बेडकर अस्पताल के पैथोलॉजी विभाग के इनक्यूबेटर मशीन में लगी आग, सब सुरक्षित, जानमाल की कोई क्षति नहीं

00 स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर अस्पताल अधीक्षक ने दिए घटना की जांच के आदेश

रायपुर। शनिवार की सुबह लगभग 3.30 बजे डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के पैथोलॉजी विभाग के कक्ष क्रमांक 152 में स्थित इनक्यूबेटर मशीन में आग लग गई थी जिसके कारण से वहां धुआं उठने लगा था जिसको देखकर ड्यूटी में मौजूद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना अस्पताल के फायर फाइटर कर्मियों को दी। अस्पताल के फायर फाइटर कर्मियों ने अस्पताल में मौजूद फायर एक्सटिंग्विशर सिलेंडर की मदद से आग को बुझाया और आग पर काबू पा लिया। इसमें किसी प्रकार की कोई जान-माल की क्षति नहीं हुई।

घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार अम्बेडकर अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर को ड्यूटी में मौजूद आपात चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रदीप अग्रवाल ने जैसे ही इनक्यूबेटर मशीन में आग लगने की घटना की सूचना दी, वे घटनास्थल पर तुरंत ही पहुंच गए। उसके बाद अस्पताल में मौजूद फायर कर्मियों ने फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग पर काबू पा लिया। आग कैसे लगी? इस बारे में अभी कोई पुख़्ता जानकारी नहीं है। इस बारे में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अस्पताल प्रबंधन से घटना की जानकारी ली और जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इसको लेकर अस्पताल प्रबंधन ने साथ ही साथ पीडब्ल्यूडी विभाग के ई एंड एम विभाग से भी इस संदर्भ में जानकारी मांगी है। एहतियात के तौर पर अस्पताल की ओर से अग्निशमन विभाग को भी सूचना दे दी गई थी। अग्निशमन विभाग की टीम भी समय पर अस्पताल पहुँच गई थी।

मई में बारिश से खुशनुमा हुआ मौसम, नौ तपा का डर भागा

रायपुर। मई के महीने में बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया है,आमतौर पर भीषण गर्मी के लिए जाना जाता है यह महीना लेकिन मौसम ऐसा बना हुआ है कि वो असर नहीं दिख रहा है। कल से नौ तपा को लेकर लोग डरे सहमे हुए थे कि कितनी गर्मी का सामना करना पड़ेगा लेकिन अब वह डर भी भाग गया है,यदि गर्मी पड़ेगी की भी तो उतनी नहीं रहेगी। जून में मानसून आ जायेगा। आज भी सुबह से रूक-रूक कर लगातार बारिश हो रही है।

देश के अन्य हिस्सों की तरह छत्तीसगढ़ में भी पिछले कुछ दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। प्रदेश के कई जिलों में बादल छाए होने के साथ-साथ लगातार बारिश भी हो रही है। बारिश होने के चलते लोगों को गर्मी से राहत मिली है। शनिवार को भी सुबह से ही प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने बस्तर संभाग के कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश होने की उम्मीद जताई है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में आज भी दिनभर बादल छाए रहेंगे। इतना ही प्रदेश में तापमान में 3 से 4 डिग्री की गिरावट होने की संभावना मौसम विभाग की तरफ से जताई गई है। मौसम विभाग से मिली जानकरी के अनुसार, रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, भिलाई, बलौदाबाजार समेत बस्तर संभाग के जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश होगी। बता दें कि, प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से मौसम में लगातार उतार चढ़ाव हो रहा है। मौसम में हो रहे बदलाव के चलते लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल रही है।

ब्राजील ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे सांसद विजय बघेल

भिलाई। दुर्ग सांसद विजय बघेल जल्द ही ब्राजील में होने वाले 'ब्रिक्स' सम्मेलन में शामिल होने जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के लिए ये एक बड़ी उपलब्धि है।

बता दें कि, यह सम्मेलन जून महीने में आयोजित होगा और इसमें दुनियाभर के बड़े आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। भारत की ओर से इस सम्मेलन में 7 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा, जिसमें सांसद विजय बघेल को भी चुना गया है। यह राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इस मंच पर सांसद बघेल महत्वपूर्ण वैश्विक और राष्ट्रीय मुद्दों पर भारत की सोच और छत्तीसगढ़ की संभावनाओं को सामने रखेंगे।

हैंडपंपों की मरम्मत से गांव में दूर होगी पेयजल की समस्या

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। गर्मियों की तेज धूप और पानी की बढ़ती मांग के बीच लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति बनाए रखने के लिए मरम्मत योग्य हैंडपंपों के संधारण और सुधार का कार्य तेज कर दिया है।

जिले के विभिन्न गांवों में खराब और बंद पड़े हैंडपंपों की मरम्मत कर ग्रामीणों को राहत पहुंचाई जा रही है। इसी क्रम में जिले के विकासखंड मनेंद्रगढ़ के ग्राम चनंवारीडांड में विभाग के कर्मचारियों द्वारा एक हैंडपंप की मरम्मत कर उसे पुनः चालू किया गया। मरम्मत कार्य के पूरा होते ही ग्रामवासियों को तत्काल जल सुविधा मिलने लगी। इस प्रयास से ग्रामीणों को गर्मी के मौसम में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। विभाग की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट से निपटने की दिशा में एक अहम कदम है। ग्रामीणों ने इस कार्य के लिए विभाग का आभार जताया है और इसे समय पर उठाया गया सराहनीय कदम बताया है।

विवेकानंद कॉलेज को पीजी का दर्जा, लेकिन 4 विषयों में ही कक्षाएं संचालित, जनभागीदारी समिति की बैठक संपन्न

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ में नवगठित जनभागीदारी समिति की प्रथम बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा ने की। प्राचार्य डॉ. श्राबनी चक्रवर्ती ने अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। बैठक की कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए प्राचार्य ने समिति के समक्ष प्रमुख एजेंडा प्रस्तुत किए तथा महाविद्यालय की वर्तमान स्थिति से सभी सदस्यों को अवगत कराया। उन्होंने महाविद्यालय के समग्र विकास हेतु जो आवश्यक प्रस्ताव रखे उनमें महाविद्यालय की बाउंड्रीवाल का निर्माण, अतिरिक्त अध्यापन कक्षों की आवश्यकता, पेयजल व्यवस्था के अंतर्गत वॉटर कूलर की स्थापना, रिक्त पदों पर विशेषकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की वैकल्पिक नियुक्ति की आवश्यकता के साथ प्राचार्य ने इस बात पर विशेष बल दिया कि महाविद्यालय को स्नातकोत्तर स्तर का दर्जा प्राप्त है, लेकिन वर्तमान में केवल 4 विषयों में ही स्नातकोत्तर कक्षाएं संचालित हो रही हैं। उन्होंने समिति से आग्रह किया कि हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, अर्थशास्त्र, प्राणी शास्त्र, वनस्पति शास्त्र, भौतिक शास्त्र, गणित एवं भू-गर्भ शास्त्र जैसे महत्वपूर्ण विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारंभ कराने हेतु शासन स्तर पर समन्वित प्रयास किए जाएं। इसके साथ ही महाविद्यालय में शिक्षकों व कर्मचारियों के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती सुनिश्चित कराने की आवश्यकता भी जताई गई। बैठक में प्रस्तुत सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया तथा महाविद्यालय स्तर पर किए जाने वाले कार्यों पर समिति ने सर्वसम्मति से अपनी सहमति प्रदान की। शासन स्तर पर संपादित कार्यों के लिए आवश्यक प्रयास किए जाने का भी समिति द्वारा आश्वासन दिया गया। बैठक में समिति के सदस्य धर्मेंद्र पटवा, सुंदरलाल दुग्गड़, मुरलीधर सोनी, शैलेष जैन, आदित्य राज डेविड, गौरव अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, जितेंद्र यादव, महाविद्यालयीन स्टाफ डॉ. रश्मि तिवारी, डॉ. सुशील कुमार तिवारी, पुष्पराज सिंह, रामनिवास गुप्ता एवं मनीष श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

भारत गौरव डीलक्स एसी ट्रेन से भारत-भूटान मिस्टिक माउंटेन टूर करने का अवसर

बिश्रामपुर - भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से भारत-भूटान मिस्टिक माउंटेन टूर की एक अनोखी और अविस्मरणीय यात्रा २८ जून २०२५ से प्रारंभ हो रही है। यह विशेष यात्रा दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी और पूर्वोत्तर भारत की आध्यात्मिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को समेटते हुए भूटान के शांत और सुरम्य स्थलों तक यात्रियों को लेकर जाएगी। इस यात्रा का पहला पड़ाव गुवाहाटी होगा, जहाँ यात्री नीलाचल पहाड़ियों में स्थित प्राचीन और पवित्र कामाख्या मंदिर के दर्शन करेंगे। यह मंदिर भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है और देवी उपासकों के लिए श्रद्धा का केंद्र है। गुवाहाटी से आगे यात्रा शिलांग की ओर बढ़ेगी, जिसे च्पूर्व का स्कॉटलैंडज् कहा जाता है। यहाँ यात्री प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता का आनंद लेंगे। इसके बाद चेरापूंजी की एक दिवसीय यात्रा कराई जाएगी, जहाँ च्सेवन सिस्टर्स जलप्रपातज्, च्नोहकलिकाई फॉल्सज् और च्एलिफेंट फॉल्सज् जैसे विख्यात प्राकृतिक स्थल यात्रियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसके बाद समूह शिलांग वापस लौटेगा। इसके बाद यात्रा अपने अंतरराष्ट्रीय चरण में प्रवेश करेगी। पश्चिम बंगाल के हासीमारा रेलवे स्टेशन पर उतरने के पश्चात यात्री सड़क मार्ग द्वारा भूटान में प्रवेश करेंगे, जहाँ वे फुंटशोलिंग के रास्ते थिंपू पहुँचेंगे। थिंपू पहुँचने के बाद यात्रियों को आसपास के वातावरण को जानने और स्थानीय संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिलेगा, रात्रि विश्राम की व्यवस्था वहीं होगी। थिंपू में स्थानीय महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण कराया जाएगा, जिसमें मोतीथांग चिड़ियाघर, नेशनल लाइब्रेरी, पारंपरिक चित्रकला विद्यालय, हस्तशिल्प बाजार और भव्य चोए द्जोंग जैसे स्थल शामिल हैं। इसके बाद यात्रा हिमालय की बफीर्ली चोटियों से होते हुए ऐतिहासिक दोचू ला दर्रा के माध्यम से पुनाखा की ओर बढ़ेगी। पुनाखा में यात्री प्रसिद्ध पुनाखा द्जोंग देखेंगे, जो फो चू (पुरुष नदी) और मो चू (स्त्री नदी) के संगम पर स्थित है और भूटान के सबसे सुंदर व विशाल द्जोंग में से एक माना जाता है। भूटान यात्रा का अंतिम चरण पारो में सम्पन्न होगा, जो अपनी सीढ़ीनुमा धान के खेतों, पारंपरिक फार्महाउसों और गहन आध्यात्मिक वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। पारो में यात्रा के दौरान यात्रियों को लामपेरी रॉयल बॉटनिकल पार्क, भूटान की यूनेस्को टेंटेटिव सूची में शामिल तामचोग ल्हाखांग आयरन ब्रिज, विश्वप्रसिद्ध टाइगर्स नेस्ट मठ (तकत्संग ल्हाखांग) और भूटान का राष्ट्रीय संग्रहालय देखने को मिलेगा, जो इस हिमालयी राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक प्रदान करता है। यात्रा को और अधिक यादगार बनाने के लिए यात्रियों को भूटान के राष्ट्रीय खेल तीरंदाजी (आर्चरी) का अनुभव कराया जाएगा, साथ ही पारंपरिक हॉट स्टोन बाथ में विश्राम की सुविधा भी दी जाएगी। इसके पश्चात समूह भूटान से विदा लेकर भारत लौटेगा और अगले दिन दिल्ली पहुँचेगा।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित 0 प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर05/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com